प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए की बैठक में सभी दलों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। इस दौरान एनडीए के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री को उनके नेतृत्व और उनके नेतृत्व में देश द्वारा की गई प्रगति के लिए बधाई दी।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 33 दिनांकः06-06-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन ने आश्चर्यजनक जीत दर्ज की, जिसके बाद लखनऊ में कई महिलाओं ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर कतार में खड़ी हो गईं और 'गारंटी कार्ड' की मांग करने लगीं

एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने कहा-यह लगातार तीसरी सरकार के लिए ऐतिहासिक जनादेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए की बैठक में सभी दलों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। इस दौरान एनडीए के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री को उनके नेतृत्व और उनके नेतृत्व में देश द्वारा की गई प्रगति के लिए बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में पीएम की मेहनत और प्रयासों की सराहना की।

एनडीए सहयोगियों ने कहा कि पीएम मोदी के पास विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है और वे इस लक्ष्य में भागीदार हैं। उन्होंने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने में पीएम की भूमिका की सराहना की। एनडीए नेताओं ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की और अच्छा काम जारी रखने का संकल्प भी लिया।

एनडीए नेताओं की बैठक में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह लगातार तीसरी सरकार के लिए ऐतिहासिक जनादेश है, जो भारत में आखिरी बार 60 साल पहले मिला था।

पीएम आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई बैठक में एनडीए नेताओं ने प्रस्ताव पारित कर कहा, भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं।

प्रस्ताव में आगे कहा गया, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास हेतु एनडीए सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में पीएम आवास में हुई बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता एकनाथ शिंदे, टीडीपी मुखिया चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से चिराग पासवान, एनसीपी (अजित पवार गुट) से प्रफुल्ल पटेल एवं सुनील तटकरे, अपना दल (एस) से अनुप्रिया पटेल, आरएलडी से जयंत चौधरी, जेडीएस से एचडी कुमारस्वामी, जनसेना पार्टी से पवन कल्याण, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा से जीतन राम मांझी, असम गण परिषद से अतुल बोरा, आजसू से सुदेश महतो, जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव संजय झा सहित एनडीए में शामिल अन्य सहयोगी दलों के भी कई नेता मौजूद रहे।

लखनऊ कांग्रेस मुख्यालय 'गारंटी कार्ड' के लिए पहुंची मुस्लिम महिलाएं, पार्टी ने 1 लाख देने का किया है वादा

लखनऊः लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन ने आश्चर्यजनक जीत दर्ज की, जिसके बाद लखनऊ में कई महिलाएं कांग्रेस कार्यालय के बाहर कतार में खड़ी हो गईं और 'गारंटी कार्ड' की मांग करने लगीं, जिसका वादा पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान किया था। चुनावों से पहले कांग्रेस ने कई घरों में 'गारंटी कार्ड' बांटे थे, जिसमें हर गरीब परिवार की महिला मुखिया को हर साल 1 लाख रुपए देने का वादा किया गया था।

बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं को लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भीषण गर्मी में कतार में खड़े देखा है। जहां कुछ महिलाओं ने 'गारंटी कार्ड' की मांग की। वहीं, जिन लोगों को पहले कार्ड मिले थे, उन्होंने अपने खातों में पैसे प्राप्त करने के लिए फॉर्म जमा किए। कुछ महिलाओं ने दावा किया कि पैसे प्राप्त करने के लिए विवरण के साथ फॉर्म जमा करने के बाद उन्हें कांग्रेस कार्यालय से रसीदें मिली हैं।

कांग्रेस ने 'घर-घर गारंटी' कार्यक्रम शुरू किया था, जिसके तहत नेताओं को लगभग 80 मिलियन घरों तक पहुंचने और उन्हें इसकी 25 गारंटियों के बारे में जागरूक करने का काम सौंपा गया था। इन गारंटियों में महालक्ष्मी योजना भी शामिल थी, जिसके तहत पार्टी ने वादा किया था कि गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के परिवारों की महिला मुखियाओं के खाते में सीधे 8,500 रुपए प्रति माह जमा किए जाएंगे। यह योजना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के समान है, जिसमें गरीब परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपए का भुगतान किया जाता है।

हाल ही में, बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस में कई महिलाओं को खाता खोलने के लिए दौड़ते हुए देखा गया, जिन्हें उम्मीद थी कि अगर केंद्र में इंडिया ब्लॉक सत्ता में आया तो उनके खातों में हर महीने 8,500 रुपए जमा किए जाएंगे। एग्जिट पोल को धता बताते हुए इंडिया ब्लॉक ने 234 सीटें हासिल कीं, लेकिन एनडीए अगली सरकार बनाने के लिए तैयार दिख रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 292 सीटें जीतीं और बहुमत के 272 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा।

शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स 2303 अंक, निफ्टी 735 ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को रौनक लौट आयी और ये भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद बाजार में भारी गिरावट आई थी जिससे आज ये संभलता दिख रहा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 3.20 फीसदी करीब 2303.19 अंकों की बढ़त के साथ ही 74,382.24 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 3.36 फीसदी बढ़कर 735.85 अंकों की बढ़त बनाते हुए 22,620.35 पर बंद हुआ।

आज शेयर बाजार में रिकवरी भाजपा गठबंधन की नई सरकार बनने की उम्मीद से आई है। इस कारण नीतियों में बदलाव कम होने की संभावना है जिससे बाजार में सकारात्मक संकेत गया।

आज कारोबार के दौरान आज सभी कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। 7.75 फीसदी की तेजी के साथ इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ऊपर रहे। इसके अलावा टाटा स्टील , महिंद्रा एंड महिंद्रा एमएंडएम, बजाज फाइनेंस , कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलिवर के शेयर सबसे अधिक बढ़े। ये सभी शेयर 4 फीसदी से ज्यादा ऊपर आये।

वहीं निफ्टी की बात करें तो इसमें 7.29 फीसदी की बढ़त के साथ अदाणी पोर्ट्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े। इसके अलावा, इंडसइंड बैंक 7.06 फीसदी, हिंडाल्को 6.46फीसदी, टाटा स्टील 6.32फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा 6.06 फीसदी के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे।

नुकसान वाले शेयरों में पहला-लॉर्सन एंड टुब्रो, जो 0.10 फीसदी जबकि बीपीसीएल 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को एक बार फिर रौनक लौट आयी। मंगलवार को चुनावों परिणामों में के बाद बाजार में भारी गिरावट आई थी पर इसके बाद सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। सुबह कारोबार के समय बाजार के प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ ही हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। सेंसेक्स 523 अंक करीब 0.73 फीसदी बढ़कर 72,601.74 के स्तर पर जबकि निफ्टी 50 177 अंक तकरीबन 0.70 फीसदी बढ़कर 22,061 के स्तर पर खुला।

एशियाई बाजारों में आज सुबह मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी 0.73 फीसदी बढ़ा जबकि निक्केई 1.06 फीसदी नीचे आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.29 फीसदी अधिक पर कारोबार करता दिखा। पिछले कारोबारी दिन, अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। डॉव जोन्स 0.36 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.15 फीसदी और नैस्डैक 0.17 फीसदी उछला।

कांग्रेस नहीं लगा पाई शतक, बीजेपी 240 पाकर भी है उदास

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बिहार में इसको कहते हैं नर्भसा जाना। ऐसा तब होता है जब व्यक्ति अपना लक्ष्य के करीब होते हुए उसे हासिल नहीं कर पाता है। ऐसा ही इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी दोनों के साथ पेश आया। कांग्रेस तो 100 सीटें भी हासिल नहीं कर पाई और 99 पर पहुंचकर नर्वस नाइंटीज का शिकार हो गई। वहीं बीजेपी इसको लेकर नर्वस दिखी कि उसे अकेले बहुमत नहीं पाया। मंगलवार को मतगणना के दिन बीजेपी की टैली 240 से 245 के बीच हिचकोले खाती रही। आखिरकार बीजेपी अपने दम पर उतनी सीटें हासिल नहीं कर सकी कि वह अकेले सरकार बना सके।

आपने कई बार देखा-सुना होगा कि मैच के दौरान जब बल्लेबाज 90 रनों के स्कोर को पार कर लेता है, तो सबकी नजरें उसी पर टिक जाती है। आखिर आगे क्या होगा। क्या वह शतक पूरा कर पाएगा। दरअसल बल्लेबार कई बार परफॉर्मेंस के इस दबाव में रहता है और 90 से 100 रन पूरा करते करते वो आउट हो जाता है। इसी को नर्वस नाइंटीज कहते है।

बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में धांधली के लगे आरोप

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के आए नतीजों में एनडीए की सरकार बन रही है, लेकिन पिछले चुनाव से सीटें कम होने के कारण उसकी खुशी में भी गिरावट आई है। इसी बीच आरोप लग रहे हैं कि बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में धांधली हुई है।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से करारी हार झेलने के बाद कांग्रेस नेता उदित राज ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए धांधली का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि यूपी में तो भाजपा गड़बड़ी नहीं कर पाई, लेकिन बिहार, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में धांधली हुई है। उन्होंने यह भी पूछा कि आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की गिरफ्तारी से उपजी सहानुभूति वाला वोट कहां गया?

उदित राज को पूरी उम्मीद थी कि आम आदमी पार्टी से गठबंधन के बलबूते वह इस बार जीत दर्ज करने में सफल रहेंगे। उनका मानना था कि वोटों का बंटवारा रुकने से भाजपा को आसानी से हरा देंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी उदित राज के लिए वोट मांगा। इसके अलावा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के कई नेताओं ने उनके लिए प्रचार किया। भाजपा नेता योगेंद्र चंदोलिया ने उदित राज को 2.90 लाख वोटों के बड़े अंतर से हराया। मंगलवार को चुनावी नतीजों के बाद उदित राज पूरी तरह चुप्पी साधे रहे। बुधवार सुबह अपनी पहली प्रतिक्रिया में कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हुआ है। उदित राज का कहना है कि भाजपा उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान कहीं दिखी नहीं तो इतने वोट कहां से आ गए। वह इस बात को लेकर भी अचरज में हैं कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन का वोट कहां गया। उदित राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'चुनाव निष्पक्ष नहीं हुआ है और मैं दावे के साथ कह सकता हूं। उत्तर पश्चिम दिल्ली लोक सभा से चुनाव लड़ा, 'ह्न कहीं दिखी नहीं।

कांग्रेस और आप दोनों का वोट कहां गया? अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की सहानुभूति का वोट कहां गया? यूपी में जीत सुनिश्चित थी इसलिए धांधली नही कर सके।

बिहार , एमपी, दिल्ली और अन्य स्थानों में धांधली हुई है।उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट की बात करें तो यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर हुई। दिल्ली की एक मात्र सुरक्षित सीट पर भाजपा उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया को 866483 वोट हासिल हुए। वहीं, उदित राज को 575634 वोट मिले। इस तरह उदित राज को 2.90 लाख से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर अन्य सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई।

सरकार बनाने का दावा नहीं करेगा INDI गठबंधन? खरगे ने कहा- हम उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे

नई दिल्ली : इनडी गठबंधन द्वारा सरकार बनाने के दावे पर संशय बरकरार है लेकिन, खरगे ने यह स्पष्ट कर कहा है 'हम उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जनादेश ने भाजपा नेताओं और उनकी नफरत, भ्रष्टाचार की राजनीति को करारा जवाब दिया है।

दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं की बैठक हुई तो दूसरी तरफ इनडी गठबंधन के नेताओं ने भी आगे की रणनीति तैयार करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास में मीटिंग हुई। हालांकि, विपक्षी गठबंधन द्वारा सरकार बनाने के दावे पर संशय बरकरार है लेकिन, खरगे ने यह स्पष्ट कर कहा है 'हम उचित समय पर उचित कदम उठाएंगे।'

खरगे ने भाजपा पर साधा निशाना

बैठक में विचार-विमर्श करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ँ्रु३ गठबंधन, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के फासीवादी शासन के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा सरकार को नहीं चाहती है और इसलिए इनडी गठबंधन द्वारा जनता की इच्छा को साकार करने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा 'इनडी गठबंधन के सभी घटक दल देश की जनता का आभार प्रकट करते हैं। लोकसभा चुनाव के जनादेश ने भाजपा नेताओं और उनकी नफरत, भ्रष्टाचार की राजनीति को करारा जवाब दिया है। भारत के संविधान की रक्षा के लिए और महंगाई, बेरोजगारी और साठगांठ वाले पूंजीवाद के खिलाफ ँ्रु३ गठबंधन भाजपा के फासीवादी शासन के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा।' कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि देश ने मोदी के खिलाफ जनादेश दिया, लेकिन वह 'डेमोक्रेसी' (लोकतंत्र) को 'डेमो-कुर्सी' बनाना चाहते हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 1962 के बाद किसी सरकार के तीसरी बार सत्ता में लौटने के प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी लेकर भी उन पर कटाक्ष किया और कहा कि पंडित जवाहरलान नेहरू 1952 में 364 सीटों के साथ, 1957 में 371 सीटों के साथ और 1962 में 361 सीटों के साथ प्रधानमंत्री चुने गए थे।

विपक्ष की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, एमके स्टालिन, अभिषेक बनर्जी, तेजस्वी यादव, राघव चड्ढा, शरद पवार, डी राजा, संजय राउत, अखिलेश यादव, चंपई सोरेन, सुप्रिया सुले और अन्य घटक दलों के नेता भी शामिल रहे।

फडणवीस देंगे डिप्टी सीएम पद से इस्तीफा!

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीटों के नतीजे आ गए है। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों शिवसेना और एनसीपी को 17 सीट मिली हैं। जबकि विपक्षी खेमें में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के गठबंधन महाविकास आघाडी को 48 में से 30 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में बीजेपी का प्रदर्शन पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले काफी खराब रहा है। इसके चलते बीजेपी के वरिष्ठ नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने पद से इस्तीफ देने की पेशकश की है।

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होगा उपचुनाव, वजह- विधायक बन गए हैं सांसद

लखनऊ(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने ही उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना भी तय हो गया है। फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझावन, मीरापुर, अयोध्या, बड़हल, कटेहरी, कुंदरकी सीटों से जो विधायक थे उन्हें लोकतांत्रिक पदोन्नति मिल गई है। अब वे विधायक से सांसद बन गए हैं।

बता दें इस बार लोस चुनाव में 14 विधायकों को विभिन्न दलों ने चुनावी मैदान में उतारा था। इनमें से नौ विधायकों ने जीत दर्ज कर अपना सियासी कद बढ़ा लिया है। वहीं छह विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। इनमें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह भी शामिल हैं। भाजपा व सहयोगी दलों ने लोकसभा चुनाव के मैदान में सबसे ज्यादा आठ विधायकों व तीन एमएलसी को उतारा था। इनमें से फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल ने जीत दर्ज की है।

फूलपुर सीट से तीन बार चुनाव जीत चुके प्रवीण पटेल इस बार मतदाताओं ने उन्हें संसद तक पहुंचा दिया है। वहीं हाथरस से चुनाव लड़े भाजपा के अनूप वाल्मीकि भी चुनाव जीत गए हैं। वह खैर विधानसभा सीट से विधायक थे और प्रदेश सरकार के मंत्री भी हैं। गाजियाबाद से भाजपा ने जनरल वीके सिंह का टिकट काटकर विधायक अतुल गर्ग को चुनावी मैदान में उतारा था। वह पार्टी की उम्मीदों पर खरे उतरे और जीत हासिल की। जनरल वीके सिंह ने इस सीट पर पिछले लोकसभा चुनाव में 5,01,500 मतों से सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। भदोही से भाजपा ने मझावन विधानसभा सीट से विधायक और निषाद पार्टी के विनोद कुमार बिंद को उतारा था। उन्होंने भी जीत हासिल कर संसद भवन पहुंचने का रास्ता तय कर लिया है। वहीं मीरापुर विधानसभा सीट से विधायक चंदन चौहान को रालोद के टिकट पर बिजनौर से जीत दर्ज कर अपना कद बढ़ाया है।

समाजवादी पार्टी ने छह विधायकों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें अयोध्या के विधायक अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद से चुनाव जीतकर बड़ा उलट-फेर किया है। बड़हल विधानसभा सीट से विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कन्नौज से जीत दर्ज की है।वहीं सपा के टिकट पर कटेहरी के विधायक लाल जी वर्मा ने अंबेडकर नगर से जीत दर्ज की है। मुरादाबाद के कुंदरकी विधानसभा सीट के विधायक जियाउर्रहमान बर्क ने सपा के टिकट पर संभल से जीत दर्ज की है। चुनाव हारने वाले विधायकों में नगीना से भाजपा विधायक ओम कुमार, राबर्टसगंज से अपना दल (एस) की विधायक रिंकी कोल,महाराजगंज से कांग्रेस के विधायक वीरेन्द्र चौधरी व लखनऊ से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा शामिल हैं।

आप पार्टी के कार्यालय को 15 जून तक खाली करना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आप पार्टी के वकील ने कोर्ट के बताया कि पार्टी को 15 जून तक ऑफिस को खाली करना होगा। हाईकोर्ट ने केंद्र से इस मुद्दे पर 6 सप्ताह में निर्णय लेने को कहा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि आप अन्य राजनीतिक दलों की तरह यहां पार्टी कार्यालय के लिए जगह पाने की हकदार है। हाईकोर्ट ने केंद्र से इस मुद्दे पर 6 सप्ताह में निर्णय लेने को कहा है। आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त होने के आधार पर केंद्र द्वारा उसके कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने की मांग कर रही है। आम आदमी पार्टी के वकील ने कोर्ट के बताया कि पार्टी को 15 जून तक राऊज एवेन्यू स्थित मौजूदा ऑफिस को खाली करना होगा। उन्होंने दलील दी कि दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर एक मकान उसे अस्था यी रूप से आवंटित किया जाना चाहिए जो अभी उसके एक मंत्री के पास है।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत फिर बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। वहीं अंतरिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए संबंधित विभाग को केजरीवाल के स्वास्थय को लेकर निर्देश दिए हैं। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। 19 जून तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। आज उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। वहीं दूसरी तरफ राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की सात दिन की अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। केजरीवाल ने मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए 7 दिन की जमानत मांगी थी। इस बीच, कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी मेडिकल टेस्ट कराने का निर्देश दिया है।

पंजाब की दो निर्दलीय सीटों ने पूरे देश को चौंकाया

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल व बेअंत सिंह के बेटे ने जीती सीटें

चंडीगढ़,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं वहीं पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के नतीजे भी सामने आ चुके हैं। यहां की 13 सीटों में सात कांग्रेस, तीन आम आदमी पार्टी और एक सीट पर शिरोमणि अकाली दल ने जीती है। वहीं जिन दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है उन सीटों ने पूरे देश को चौंका दिया है। ये दो सीटें खडूर साहिब और फरीदकोट की हैं।

खडूर साहिब लोकसभा सीट से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के चेहरे पर लोगों ने जीत का सेहरा बांधा है। अमृतपाल इस समय देशद्रोह के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। वहीं फरीदकोट से सर्बजीत सिंह खालसा की जीत हुई है। सर्बजीत खालसा पूर्व पीएम श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले बेअंत सिंह का बेटा है। खडूर साहिब और फरीदकोट के नतीजे पारंपरिक राजनीतिक दलों के लिए सिखों के बीच बढ़ते असंतोष को उजागर करते हैं।

अमृतपाल को पंजाब में आए ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, लेकिन उसने यहां आते ही लोगों के दिलों में जगह बना ली। उसने सबसे बड़ी समस्या नशे को पहचाना और उसे खत्म करने की मुहिम चलाई। अमृतपाल ने कई युवाओं को नशा छुड़ाने का दावा किया। इसके अलावा धर्म के प्रति अमृतपाल की सोच कट्टर है। खडूर साहिब पंथक सीट थी, इसलिए नशा छुड़ाने की आस और अमृतपाल की धर्म के प्रति सोच ने लोगों को आकर्षित किया।

वहीं फरीदकोट सीट पर सर्बजीत की जीत के पीछे लोगों की आप और बीजेपी से नाराजगी रही। बेअंत सिंह के बेटे का मुकाबला आप उम्मीदवार कर्मजीत अनमोल और बीजेपी के हंसराज हंस से था। यहां आप सरकार से लोग नाराज थे। बीजेपी से किसानों नाराज थे। इसी वजह से लोगों का झुकाव सर्बजीत खालसा की तरफ हो गया। इससे पहले सर्बजीत खालसा ने जितने भी चुनाव लड़े उसे हार ही मिली थी।

अमृतपाल सिंह ने लोगों की नब्ज टटोल ली थी । उसने पंथ को साथ लेकर चलने का सबसे बड़ा कारण ही लोगों को जज्बाती तौर पर खुद के साथ जोड़ना था। बेअंत के बेटे सरबजीत सिंह खालसा ने भी यही किया। वो लोगों के बीच गया और अपने पिता के काम को कुर्बानी का रूप देकर वोट मांगे। अमृतपाल की मां और पिता ने लोगों से बेटे को जेल से छुड़वाने के नाम पर वोट मांगे। ऐसे में लोगों ने जज्बाती होकर दोनों को वोट दिए और दोनों ने इस चुनाव में जीत हासिल की।

बॉर्डर पर तस्कर से 2 करोड़ बरामद

अमृतसर (ईएमएस)। सीमा सुरक्षा बल ने चुनाव के एक दिन बाद एक तस्कर के घर पर छापा मारकर 1 करोड़ 97 लाख रुपये जब्त किए हैं। बीएसएफ को मिली जानकारी के बाद पंजाब पुलिस की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। तस्कर के घर से बीएसएफ को तीन बैग बरामद हुए, जिनमें ये पूरा कैश भर कर रखा गया था। पुलिस ने इस दौरान दो तस्करों को भी काबू किया है। बीएसएफ ने अमृतसर के सीमावर्ती गांव कक्कड़ में सर्च की। बीएसएफ अधिकारियों द्वारा जारी सूचना की गई सूचना के अनुसार सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल एक संदिग्ध तस्कर के बारे में टिप मिली थी। सूचना थी कि आरोपी तस्कर ने मात्रा में ड्रग मनी घर में छिपा रखी है। जिसके बाद बीएसएफ ने पुलिस के साथ संपर्क किया और सुबह के समय तस्कर के घर पर रेड शुरू कर दी।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंपा ; 8 जून को ले सकते हैं शपथ

नई दिल्ली(ईएमएस)। पीएम मोदी ने बुधवार दोपहर 2 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप दिया। साथ ही मंत्रिमंडल भंग करने की सिफारिश की। इससे पहले मोदी मंत्रिमंडल की सुबह 11.30 बजे आखिरी बैठक हुई। इसमें सरकार ने तीसरी बार जीत को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

बैठक में 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश हुई। इसके बाद मोदी राष्ट्रपति भवन गए और अपना इस्तीफा सौंपा। मोदी 8 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। एनडीए के सभी सांसदों से एकजुटता के लिए साइन करवा लिया गया है। जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने बताया कि 7 जून को संसद के सेंट्रल हॉल में एनडीए के सभी सांसदों की बैठक होगी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिलीं हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीट कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 292 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। चंद्रबाबू की टीडीपी 15 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जेडीयू 12 सीटों के साथ एनडीए में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

नाटो सेना रुस पर हमले को तैयार, तीन लाख सैनिक होंगे तैनात

वाशिंगटन,(ईएमएस)। रुस और यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं इसमें कई लोगों की जानें भी गई हैं और सैकड़ों घर तबाह हो चुके हैं लेकिन इसका कोई हल नहीं निकल पा रहा है। अब वहीं रूस के साथ संभावित संघर्ष के लिए नाटो सेना तैयारी कर रही है, ताकि 300,000 अमेरिकी सैनिकों को यूरोपीय मोर्चे पर जल्दी से तैनात किया जा सके।

लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर सोलफ्रैंक ने कहा कि हम उन्हें जानते हैं, अफगानिस्तान और इराक में विशाल रसद अड्डे अब संभव नहीं हैं क्योंकि संघर्ष की स्थिति में उन पर पहले ही हमला किया जाएगा और उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा। ये गलियारे नीदरलैंड, इटली, ग्रीस, तुर्की और नॉर्वे के बंदरगाहों के साथ-साथ जर्मनी-पोलैंड रेलवे का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि रूसी चेतावनियों के साथ यह रणनीतिक कदम किसी भी खतरे में पड़े नाटो क्षेत्र की रक्षा के लिए तेजी से सैन्य सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करता है। इससे पहले नाटो देशों ब्रिटेन, कनाडा, लातविया, लिथुआनिया, द नीदरलैंड्स, पोलैंड, फिनलैंड, फ्रांस, चेक गणराज्य, स्वीडन और इस्तोनिया ने मिलकर यूक्रेन को रूस के टारगेट्स पर स्ट्राइक करने को कहा था। ये सभी देश मिलकर यूक्रेन को सपोर्ट कर रहे हैं और हथियार भी सप्लाई कर रहे हैं।

रूस की इंटेलिजेंस एजेंसी पहले ही दावा कर चुकी है। रूस की मुख्य इंटेलिजेंस एजेंसी ने यह पुख्ता किया है कि नाटो देश रूस के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रूसी जासूसी एजेंसी कह चुकी है कि इस हमले से पहले नाटो देश पहले साइबरअटैक करेंगे। उसके बाद सर्जिकल स्ट्राइक करके रूसी नेताओं को मार सकते हैं। इसके बाद रूस के खिलाफ जंग छेड़ेंगे। रूस का दावा है कि नाटो इसके लिए सालों से तैयारी कर रहा है।

23 मुस्लिम सांसद संसद में पहुंच

नई दिल्ली (ईएमएस)। वो लोकसभा चुनाव में 23 मुस्लिम सांसद चुनाव जीत कर नई संसद में पहुंचेंगे। 2019 की लोकसभा चुनाव में 26 मुस्लिम सांसद संसद पहुंचे थे।1980 में सबसे ज्यादा 49 मुस्लिम सांसद निर्वाचित हुए थे। अब यह संख्या घटकर आधी रह गई है।

भारतीय जनता पार्टी ने सभी 15 धर्म स्थलों से जो उम्मीदवार चुनाव में खड़े किए थे।उनमें से 9 धर्म स्थलों से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हार गई। इसी वर्ष अयोध्या के मंदिर में भगवान राम की स्थापना हुई थी। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने 15 धर्म स्थलों से जो उम्मीदवार खड़े किए थे। उनमें से 11 उम्मीदवार चुनाव जीत गए थे। इस बार उसमे दो कम हो गए हैं।

मुंबई में हुई प्री-मानसून बारिश, कई इलाकों में भरा पानी

6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान

मुंबई,(ईएमएस)। मानसून में दस्तक दे दी हैं। मुंबई में पहली प्री-मानसून बारिश हुई। आज यानी बुधवार सुबह मुंबई में बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते 5 जून से बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया था। मौसम विभाग ने कहा था कि आने वाले हफ्ते में तापमान में भी कमी आएगी। मुंबई के बोरीवली, कांदिवली और दादर में बारिश हुई। अगले कुछ घंटों में और दिनों में मुंबई में अच्छी बारिश हो सकती है।

आज सुबह 8 बजे के बाद मुंबई में बारिश से कुछ इलाकों में ज्यादा बारिश से जलभराव भी हो गया। बारिश के बाद मुंबई में गांधी मार्केट, माटुंगा में जलभराव हो गया। बारिश के बाद सुबह तापमान में गिरावट आई। पारा 33 डिग्री पर पहुंच गया। मौसम विभाग ने 6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। 7 जून और वीकेंड के बाद और बारिश का पूर्वानुमान दिया है। इसके साथ ही तापमान और कम होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक यह घटकर 31 डिग्री तक पहुंच सकता है और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री होगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक नवी मुंबई में प्री मॉनसून शुरू हो गया है। मुंबई में मानसून के दस्तक देने की तारीख 10 जून है। मानसून के प्रोगेस के साथ इसमें कुछ बदलाव भी हो सकता है। मुंबई में रात के तापमान में रिकॉर्ड बनाया है। पिछले 18 दिनों में से 16 दिन न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के पार रहा है।

कभी भी गिर सकती है, महाराष्ट्र की सरकार

चुने हुए शिंदे गुट के सांसद जाएंगे, उद्धव ठाकरे की शिवसेना में

मुंबई (ईएमएस)। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आते ही, महाराष्ट्र की राजनीतिक फिजा तेजी के साथ बदल गई है। शिंदे गुट के जो 7 सांसद हाल ही में नई लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह उद्धव ठाकरे की शिवसेना में जा रहे हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के जो परिणाम आए हैं। उसने आगामी विधान सभा चुनाव के सभी समीकरण को बदल दिया है। कुछ महीने बाद महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसी स्थिति में शिवसेना शिंदे गुट और अजीत पवार के एनसीपी गुट में भगदड़ की स्थिति मच गई है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से महाराष्ट्र में हुई करारी पराजय के लिए भाजपा के नेता उनसे इस्तीफा मांग रहे हैं। महाराष्ट्र में हुई पराजय की जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस ने लेते हुए कहा, वह हार को स्वीकार कर रहे हैं। जिस तरह की भगदड़ महाराष्ट्र में देखने को मिल रही है। उससे स्पष्ट है, महाराष्ट्र की राज्य सरकार ज्यादा दिन रहने वाली नहीं है।

जन हितैषी

संघ और संगठन आमने-सामने? कौन बनेगा प्रधानमंत्री

भारतीय जनता पार्टी में संसदीय दल का नेता चुनने को लेकर, मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को 240 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। एनडीए गठबंधन को 292 सीटें प्राप्त हुई हैं। जो स्पष्ट बहुमत से 20 सीट ज्यादा है। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय मुख्यालय में 4 जून की शाम को जीत का जश्न मनाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की घोषणा कर दी। इस घोषणा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काफी नाराज हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भाजपा संगठन ने प्रधानमंत्री पद को लेकर कोई सलाह मशविरा नहीं किया। एक तरफा प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम की घोषणा किए जाने से संघ नाराज है। कहा जा रहा है, 8 जून को तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। 5 जून की शाम भाजपा के सभी सांसदों को दिल्ली बुलाया गया। इसके अलावा सभी सहयोगी दलों से भाजपा संगठन बात कर रहा है। उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का समर्थन पत्र मंगाया जा रहा है। भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने संघ से दूरियां बनाकर रखी हैं। इस कारण जल्द ही कोई बड़ा फेरबदल भाजपा के अंदर होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी और स्वयंसेवक बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं थे। विपक्षी इंडिया गठबंधन से मिल रही चुनौती को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्तर पर सक्रिय हुआ। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का यह कहना, कि भाजपा अब बहुत बड़ी पार्टी हो गई है, पहले संघ की जरूरत होती थी, अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। इस बयान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने काफी गंभीरता से लिया है। संघ सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पार्टी के अंदर और जनता के बीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लेकर बड़ा असंतोष है। 2024 के जो लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आए हैं वो काफी निराशाजनक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 400 पार का नारा दिया था। 370 सीट जीतने का लक्ष्य भाजपा ने निर्धारित किया था। भाजपा को केवल 240 सीटों पर सफलता हासिल हुई है। स्पष्ट बहुमत तक भी सरकार नहीं पहुंच पाई है। उत्तर प्रदेश में हुई करारी पराजय के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लग रहा है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भरोसे रहे, तो भाजपा संगठन और आरएसएस के वर्तमान स्वरूप को बनाए रखना बहुत कठिन हो जायेगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने एकाधिकार कायम किया है। सत्ता और संगठन के सभी निर्णय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ही कर रहे थे। जिसके कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कमजोर होता चला गया। भाजपा संगठन के निष्ठावान नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर बैठाने का काम पिछले 10 वर्षों में किया गया है। अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा में प्रवेश देकर उन्हें संगठन और सत्ता में महत्वपूर्ण पद दिए गए। उससे संघ और भाजपा नेताओं की नाराजी काफी बढ़ गई है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संघ, भाजपा संसदीय दल के नेता के चुनाव में अप्रत्यक्ष रूप से अप्रत्याशित हस्तक्षेप कर सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो नरेंद्र मोदी के लिए तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना मुश्किल हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिश है और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सहमत हैं कि 8 जून को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ ले लें। इसकी पूरी कोशिश की जा रही है। वहीं भाजपा संगठन और संघ नहीं चाहता है, तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लें। संघ और भाजपा संगठन के बीच की तल्खी, नरेंद्र मोदी के लिए कहीं मुसीबत ना बन जाए। नागपुर संघ मुख्यालय, तथा दिल्ली के झंडेवालान संघ मुख्यालय में संघ के पदाधिकारियों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इंडिया गठबंधन भी सरकार बनाने का दावा पेश करने की तैयारी में लगा है। पर्दे के पीछे राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इंडिया गठबंधन की ओर से शरद पवार ने मोर्चा संभाल लिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन सभी चाहते हैं, इंडिया गठबंधन की सरकार बने। इसके लिए उन्होंने भी अपने स्तर पर राजनीतिक दलों और निर्दलीय सांसदों से संपर्क किया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू के साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं का संपर्क बना हुआ है। अगले एक-दो दिन में सरकार बनाने को लेकर कोई बहुत बड़ा फेरबदल हो सकता है। इस कारण राजधानी दिल्ली की राजनीतिक हलचलें बहुत बढ़ गई हैं। जिस तरह से आश्चर्यजनक चुनाव परिणाम आए हैं, उसी तरह से आश्चर्यजनक रूप से केंद्र में सरकार गठन की बात कही जा रही है। इंडिया गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दल प्रधानमंत्री के पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप प्रधानमंत्री बनाने पर सहमति जता चुके हैं। जल्द ही कोई बड़ा राजनीतिक घटना चक्र देखने को मिल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे बड़े दल के नेता के तौर पर आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा देते हुए 17वीं लोकसभा भंग करने और 8 जून को उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाए जाने की इच्छा भी जाहिर कर दी है। बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को संघ की नाराजी के चलते निर्णय लेने में परेशानी हो रही है। अमित शाह और नरेंद्र मोदी संघ से लगातार संवाद बनाए हुए हैं। संघ यदि नरेंद्र मोदी के नाम पर सहमत नहीं हुआ तो ऐसी स्थिति में भाजपा के अंदर बड़ा विस्फोट भी हो सकता है। शरद पवार ने इंडिया गठबंधन की सरकार में मल्लिका अर्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री बनाकर दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग का नया राजनीतिक समीकरण बनाने के लिए सहमति प्राप्त कर ली है। जल्द ही इंडिया गठबंधन भी अपना दावा पेश करने जा रहा है।

अब वास्तविक मुद्दों पर चुनाव परिणाम आएंगे

लोकसभा चुनाव विश्लेषण)

2024 के लोकसभा चुनाव ने अपने आप में नया ट्रेंड सामने ला दिया है भारतीय जनता पार्टी जो पिछले लंबे अरसे से इस बार 400 पार का नारा लगा रही थी उस नारे की हवा मतदाताओं ने एक ही झटके में निकाल दी,न केवल भारतीय जनता पार्टी को मात्र दो सौ इकतालीस सीटों पर लाकर खड़ादिया गया बल्कि मतदान के तत्काल बाद शुरू हुए एग्जिट पोलों की भी पोल मतदाताओं में खोल दी । विभिन्न एजेंसियों द्वारा जो एग्जिट पोल किए जा रहे थे उसमें भारतीय जनता पार्टी नीत एनडीए को साढे तीन सौ से चार सौ तक की सीटें देने की बात कही जा रही थी और इंडिया गठबंधन को सवा सौ से डेढ़ सौ में सीमित किया जा रहा था लेकिन जब मतदान के बाद मतों की गिनती शुरू हुई तब किसी को इस बात पर भरोसा ही नहीं हुआ कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस इतनी तेजी से आगे बढ़ेगी, जो कांग्रेस पिछली बार 44 सीटों तक सीमित कर रह गई थी उसने इस बार 99 का फिगर छू लिया जो दुगने से भी ज्यादा होता है ।

यह माना जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है और यह सही भी है क्योंकि 80 लोकसभा सीटें उत्तर प्रदेश में है जिस तरह से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिमा मंडन किया जा रहा था और ये बताया जा रहा था कि उन्होंने तमाम माफियाओं को खत्म कर दिया और जिस तरह का सुशासन उन्होंने दिया है उस को लेकर प्रदेश की जनता बेहद खुश है लेकिन जो परिणाम आए वो न केवल आश्चर्यचकित कर देने वाले थे बल्कि इस बात को भी इंगित कर रहे थे कि योगी आदित्यनाथ के राज में एक विशेष वर्ग को जिस तरह से टारगेट किया गया उसकी नाराजी भारतीय जनता पार्टी को भोगना पड़ी

मध्य प्रदेश निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी के लिए एक संजीवनी साबित हुआ वैसे भी यह माना जा रहा था कि पिछले लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी को 29 में से 28 सीटें मिली थी और इस बार 29 का लक्ष्य भारतीय जनता पार्टी लेकर चल रही थी राजनीतिक पंडित और सर्वे ये जरूर बतला रहे थे कि इस बार कांग्रेस तीन या चार सीटें प्राप्त कर लेगी जिसमें राजगढ़, छिंदवाड़ा, रतलाम, मंडला और बालाघाट शामिल थी लेकिन जो परिणाम आए उसने इन तमाम राजनीतिक पंडितों के अनुमान और कांग्रेस की आशाओं पर पानी फेर दिया वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को अपने वरिष्ठ नेताओं के प्रति बेरुखी के चलते नुकसान उठाना पड़ा।

इस लोक सभा चुनाव में ऐसे बहुत से मुद्दे थे जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी को बहुमत से दूर कर दिया जिसकी मीमांसा करना आवश्यक है

सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी ने जो गलती की थी वो थी चार सौ पार का नारा देना । मतदाता को यह लगा कि भारतीय जनता पार्टी कैसे अपने आप को चार सौ पार का नारा देकर अपने आप को विजेता घोषित कर रही है क्या उसकी यानी मतदाता की कोई हैसियत नहीं है, क्या उसके मत की कोई कीमत नहीं दूसरी तरफ पार्टी के लोगों को भी लगा कि मोदी मैजिक और मोदी के चेहरे पर अगर चार सौ पार हो रही है तो हमें मेहनत करने की जरूरत क्या है तो जो मेहनत कार्यकर्ताओं द्वारा की जानी चाहिए वह नहीं की गई।

दूसरा बड़ा कारण मतदाताओं की उदासीनता के कारण हुआ कम मतदान भी बेहद मायने रखता है मतदाता को लगने लगा है कि राजनेताओं का ना तो कोई भरोसा है न कोई सिद्धांत, ना शुचिता है ना पार्टी के प्रति कोई आस्था । अगर कोई मतदाता किसी पार्टी को या किसी नेता को मत देता है और वो नेता दूसरे ही दिन किसी दूसरे दल का दुपट्टा ओढ़ लेता है तो फिर उसके मत का अर्थ ही नहीं एक बड़ा कारण इन दल बदलू नेताओं का भी रहा जिसके कारण मतदान कम हुआ और जब मतदान कम हुआ तो ऐसा माना जा रहा है कि यह मतदान भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में होने वाला था जो नहीं हो पाया ।

तीसरा प्रमुख कारण ये भी है कि भारतीय जनता पार्टी ने जनता के वास्तविक मुद्दों को छोड़कर धार्मिक स्तर पर ध्रुवीकरण करने की कोशिश की वो भी शायद इस देश के धर्मनिरपेक्ष मतदाता को अच्छा नहीं लगा ,मंदिर मस्जिद, मंगलसूत्र,हिंदू मुसलमान, भैंस जैसे मुद्दों की बजाय यदि भारतीय जनता पार्टी विकास, महंगाई, बेरोजगारी पर अपना ध्यान केंद्रित करती तो शायद उसे ज्यादा फायदा होता लेकिन इन मुद्दों को इंडिया गठबंधन ने अपना लिया और और शुरू से ही इन मुद्दों को लेकर चलती रहे जाहिर सी बात है कि जनता से जुड़े जो मुद्दे होते हैं वो जनता को और आम मतदाता को प्रभावित करते हैं शायद यही कारण है कि इंडिया गठबंधन दो सौ बतीस सीटों पर सीटों पर विजयी घोषित हो गई।

अति आत्मविश्वास और अहंकार ने भी भारतीय जनता पार्टी को कहीं ना कहीं चोट पहुंचाई ,विरोधियों के खिलाफ लगातार की गई की कार्यवाहियों को भी आम जनता ने पसंद नहीं किया दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन उनके इस बार चार सौ पार के नारे को संविधान को बदलने से जोड़ने में सफल हो गई एक लोकतांत्रिक देश में यदि कोई सरकार संविधान को बदलने का प्रयास करती है जैसा कि विरोधी दलों में यह संदेश दिया उसे शायद जनता ने स्वीकार नहीं किया और तमाम सफाई के बावजूद भारतीय जनता पार्टी विरोधियों द्वारा गढ़े गए इस नेरेटिव को खत्म नहीं कर पाई ।

भारत एक विशाल देश है जिसमें हर जाति संप्रदाय के लोग वर्षों से एक साथ मिलजुल कर रह रहे हैं इस देश पर मुगलों ने भी राज किया, पुर्तगालियों ने भी ,अंग्रेजों ने भी राजपूतों ने मराठों ने लेकिन यह देश अपनी एक लीक पर चलता रहा लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से हिंदुत्व और धर्म के ध्रुवीकरण करने का प्रयास किया वह लगता है कि आम जनमानस को ठीक नहीं लगा ।

अब स्थितियां सरकार बनाने की है 2019 में 303 सीटें पाकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने हिसाब से सरकार चलाई लेकिन अब उसे अपने सहयोगियों की दया पर निर्भर रहना पड़ेगा और जब सहयोगियों का दबाव सरकार पर होता है तो बहुत से ऐसे काम सरकार को करना पड़ते हैं जो वह नहीं करना चाहती । खबर आई है कि चंद्रबाबू नायडू ने पांच छह बड़े मंत्रालय की मांग की है इतना ही नहींउन्होंने लोकसभा अध्यक्ष का पद उनकी पार्टी को देने की बात भी कही है इसके बाद अब चिराग पासवान, नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी, अपना दल , रालोद, शिंदे की शिवसेना इन तमाम सहयोगी दलों की मांगों पर भारतीय जनता पार्टी को न केवल विचार करना पड़ेगा बल्कि उनकी मांगों को मानना भी पड़ेगा अन्यथा उनकी सरकार संकट में आ सकती है और ये इसलिए भी कहा जा सकता है की अटल बिहारी वाजपेई और नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली में जमीन आसमान का अंतर है अटल बिहारी वाजपेई ने तमाम लोगों के साथ मिलकर सरकार चलाई लेकिन नरेंद्र मोदी के साथ दबाव की राजनीति चल पाए ये कहना बड़ा कठिन है क्योंकि उनका स्वभाव दूसरे तरह का है ऐसी परिस्थितियों में ये सरकार अगर बन भी जाती है अगर तो वह कितने दिन तक चल पाएगी यह भी एक बड़ा सवाल है कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अब जनता के मुद्दों पर ही राजनीति करना और उन पर ध्यान देना ही तमाम राजनीतिक दलों के लिए जरूरी हो गया है वरना जो हश्र भारतीय जनता पार्टी का इस लोकसभा चुनाव में हुआ है उससे तमाम राजनीतिक दलों को सीख लेना जरूरी हो गया है। (लेखक - चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

अमेठी चुनाव परिणाम : अहंकार के मुंह पर तमांचा

18 वीं लोकसभा के लिये जनादेश 2024 आ चुका है। ताज़ा सूचनाओं के अनुसार नरेंद्र मोदी सरकार मंत्रिमंडल के जिन 52 केंद्रीय मंत्रियों ने लोकसभा चुनाव का चुनाव लड़ा था चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उन 52 केंद्रीय मंत्रियों में से 20 मंत्री चुनाव हार गए हैं। पराजित मंत्रियों में एक नाम केंद्रीय महिला एवं बल विकास मंत्री एवं अमेठी से सांसद रही स्मृति ईरानी का भी है। पूरे देश की नज़र अमेठी संसदीय क्षेत्र पर थी क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इसी सीट से स्मृति ईरानी ने ही कांग्रेस नेता राहुल गाँधी को लगभग 55 हज़ार मतों से पराजित कर अपना क़द ऊँचा किया था। और 2019 की इसी अमेठी विजय के साथ ही उनका बड़बोलापन व अहंकार चौथे आसमान पर पहुँच गया था। हालांकि बाद में राहुल वायनाड से सांसद बनकर पुनः संसद में पहुँच गये थे। परन्तु 2019 की अमेठी फ़तेह से उत्साहित स्मृति ईरानी स्वयं को राहुल गाँधी को न केवल बार बार चुनौती देते बल्कि कई बार उन्हें व उनके परिवार को भी अपने झूठ व अहंकार पूर्ण शब्दों से अपमानित करती सुनाई दीं।

2024 के लोकसभा चुनाव से पूर्व सभी की नज़रें अमेठी सीट पर इसलिये भी टिकी थीं कि देखें इस बार कांग्रेस अमेठी से राहुल गाँधी को पुनः चुनाव मैदान में उतारकर 2019 जैसी चुनावी टक्कर को दोहराती है या नहीं। परन्तु इस बार राहुल गांधी ने जहां अमेठी के साथ लगती अपने परिवार की पुश्तैनी व पारंपरिक सीट रायबरेली से चुनाव लड़ा वहीँ अमेठी से स्मृति ईरानी के मुक़ाबले अपने 40 वर्षों के पारिवारिक विश्वासपात्र तथा अमेठी व रायबरेली में राजीव गाँधी से लेकर सोनिया गांधी तक के सहयोगी,कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर पूरे देश को हैरत में डाल दिया। चुनाव प्रचार के शुरूआती दौर में लोग यही समझ रहे थे कि कांग्रेस ने स्मृति ईरानी के सामने किशोरी लाल शर्मा को यही सोचकर मैदान में उतारा है कि यदि वे हार भी गये तो कम से कम कांग्रेस को वह अपमान नहीं सहना पड़ेगा जो राहुल को अमेठी से पुनः लड़वाने व संभवतः पुनः पराजित होने से सहना पड़ेगा। परन्तु अमेठी के मतदाताओं ने तो हर क़ीमत पर स्मृति ईरानी के ग़ुरूर व घमंड को चकनाचूर करने के साथ ही 2019 में राहुल गाँधी को यहाँ से हराने के लिये पश्चात्ताप करने के लिये कमर कस ली थी।

यह स्मृति ईरानी ही थीं जिनकी सिफ़ारिश पर 18 सितंबर 2023 उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अमेठी के मुंशीगंज इलाक़े में स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया था और वहां की ओपीडी और आपातकालीन सेवाएं बंद कर दी थीं। इस अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के लिये बहाना यह ढूँढा गया था कि यहाँ ऑपरेशन के बाद एक महिला मरीज़ की मौत हो गयी थी। पूरे देश के निजी व सरकारी अस्पतालों में ऐसी अनगिनत मौतें रोज़ होती रहती हैं। क्या किसी अस्पताल का लाइसेंस इस तरह के कारणों से निलंबित किया जाता है ? परन्तु चूँकि यह अस्पताल गाँधी परिवार द्वारा स्थापित व संचालित था और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाले संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा चलाया जाता था इसलिये द्वेष वश इसे बंद करवा दिया गया। परिणामस्वरूप अमेठी क्षेत्र की जनता इतनी परेशान हुई कि अस्पताल के बाहर तमाम स्थानीय लोगों ने धरना दिया व हड़ताल की। आख़िरकार इलाहाबाद उच्चा न्यायलय की लखनऊ पीठ द्वारा संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर रोक लगायी गयी। तब क्षेत्र की जनता को राहत मिली। स्मृति ईरानी के कहने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अमेठी ज़िला इकाई ने उसी समय यह मांग भी की थी कि संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट का प्रबंधन मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी को सौंप दिया जाए जो उस समय क्रमशः सुल्तानपुर और पीलीभीत से भाजपा सांसद थे। इस मांग से भी यह स्पष्ट था कि स्मृति ईरानी को इस अस्पताल में सोनिया गांधी की दखलअंदाज़ी सहन नहीं थी।

इसी तरह ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के अन्तर्गत जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में दैनिक भास्कर के एक पत्रकार द्वारा एक सवाल किये जाने पर भड़क गयीं और उस ग़रीब स्ट्रिंगर पत्रकार को नौकरी से निकलवा दिया। पूरे देश में उनकी इस धमकी का वीडिओ भी वायरल हुआ था। जहाँ तक महिला बल विकास मंत्री होने का सवाल है तो संसद में मणिपुर में महिलाओं को नग्न घुमाने की चर्चा करने मात्र से वे इतनी आग बबूला हुईं थीं कि उसकी तुलना कांग्रेस शासित राज्यों की घटनाओं से करते हुये गला फाड़ कर चीख़ने लगीं। यह भी पूरे देश ने देखा। देश का गौरव, विश्वस्तरीय पदक विजेता महिला पहलवानों का एक भाजपा सांसद द्वारा शारीरिक रूप से अपमान किये जाने के विषय पर भी उनके मुंह में मट्ठा जमा रहा। इसी 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान वे मध्य प्रदेश की एक सभा में यह झूठ बोलती सुनाई दीं कि-सोनिया मैडम (सोनिया गांधी) को नहीं पता कि राम भगवान कौन हैं। जब वह सत्ता में थीं तो कहती थीं कि राम का कोई अस्तित्व नहीं हैं। आज उनके बच्चे राहुल गांधी व प्रियंका गांधी राम भक्तों से वोट मांगने घूम रहे हैं। जबकि सोनिया गांधी ने कभी भी ऐसे शब्द नहीं बोले।

स्मृति ईरानी ने इसी चुनाव अभियान में मध्य चेन्नई के भाजपा उम्मीदवार विनोज पी सेल्वम के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाते हुये कहा था कि देश में ऐसे कई राज्य हैं जहां जय श्री राम बोलने पर इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने लोगों का क़त्ल किया है। ऐसा पश्चिम बंगाल और केरल में हुआ है। आज ये हमारा सबसे बड़ा सौभाग्य है कि हम प्रभु श्रीराम के चरणों में अपना शीश झुकाए खड़े हैं। मंदिर का निर्माण हुआ और प्रभु श्रीराम की महिमा देखिए कि जिन्होंने उनके अस्तित्व को नकार दिया था, उन्हें भी भगवान राम ने अपने दर पर बुलाया। उनका अहंकार स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने राम के नेतृत्व को भी अस्वीकार कर दिया था। इतनी नफ़रत फैलाने के बावजूद बीजेपी के विनोज पी सेल्वम को मात्र 1 लाख 69 हज़ार 159 वोट मिले जबकि डीएमके के उम्मीदवार ने 4 लाख 13 हज़ार 848 मत हासिल कर नफ़रत और झूठ की राजनीति करने वालों को पराजित किया।

यही स्मृति ईरानी ही हैं जिन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए बड़े ही अहंकार पूर्ण लहजे में कहा था कि अगर मेरी आवाज़ राहुल गांधी तक पहुंच रही है तो मैं उनको बताना चाहूंगी कि उनके जैसे बहुत आए हैं और गए हैं लेकिन हिंदुस्तान है, था और हमेशा रहेगा। आख़िरकार अमेठी की जनता ने स्मृति ईरानी को इस बार कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा के हाथों 1 लाख 67 हजार 196 मतों के भारी अंतर से हरा कर अमेठी की जनता ने यह जवाब दे ही दिया कि इस संसदीय क्षेत्र में भी उनके जैसे बहुत आए और गए हैं लेकिन इस क्षेत्र में गाँधी परिवार का वर्चस्व कल भी था

और भविष्य में भी रहेगा।(लेखिका - निर्मल रानी / ईएमएस)

पति की लंबी आयु के लिए पत्नी करती है वट वृक्ष पूजा

6 जून पर विशेष)

कहते है एक बार सावित्री ने अपने पति के प्राणों की रक्षा यमराज से की थी।उसी घटना की याद को ताजा कर पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए वट वृक्ष की पूजा कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देती है।

वट अमावस्या का पर्व ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस पर्व पर सुहागिन स्त्रियां वट वृक्ष की पूजा करती हैं और अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं।इसे वट सावित्री व्रत भी कहते ,सौभाग्य प्राप्ति का यह एक महत्वपूर्ण त्यौहार माना जाता है।वटवृक्ष के मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु तथा अग्रभाग में शिव का वास माना जाता है। वट वृक्ष को देव वृक्ष भी कहा गया है।कहते है कि देवी सावित्री भी इस वृक्ष में निवास करती हैं।इतिहास साक्षी है, वटवृक्ष के नीचे सावित्री ने अपने पति सत्यवान को अपनी तपस्या के बल पर पुनः जीवित किया था। तब से यह व्रत ‘वट सावित्री’ के नाम से जाना जाता है।इस दिन विवाहित स्त्रियां अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए वटवृक्ष की पूजा करती हैं। वृक्ष की परिक्रमा करते समय इस पर 108 बार कच्चा सूत लपेटा जाता है और महिलाएं सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं।सावित्री की कथा सुनने से कहते है ,सुहागिनों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और पति के सारे संकट दूर होते हैं। एक कथा के अनुसार सावित्री, मद्रदेश में अश्वपति नाम के राजा की बेटी थी।विवाह योग्य होने पर सावित्री को वर खोजने के लिए कहा गया तो उसने द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान का को पसंद किया।यह बात जब नारद जी को पता चली तो वे राजा अश्वपति से बोले कि सत्यवान अल्पायु हैं और एक वर्ष बाद ही उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सच्चाई जानकर भी सावित्री सत्यवान से ही विवाह के लिए अड़ी रही। सावित्री के सत्यवान से विवाह के पश्चात सावित्री सास-ससुर और पति की सेवा में जुट गई। नारद जी ने मृत्यु का जो दिन बताया था, उस दिन सावित्री भी सत्यवान के साथ वन में चली गई।वन में सत्यवान जैसे ही पेड़ पर चढ़ने लगा, उसके सिर में असहनीय दर्द शुरू हो गया।वह सावित्री की गोद में अपना सिर रखकर लेट गया। कुछ देर बाद सावित्री ने देखा यमराज अनेक दूतों के साथ वहां पहुंचे और वे सत्यवान के प्राणों को लेकर दक्षिण दिशा की ओर चल दिए।

सावित्री को अपने पीछे आते हुए देख कर यमराज ने कहा, हे पतिपरायणे! जहां तक मनुष्य साथ दे सकता है, तुमने अपने पति का साथ दे दिया।अब तुम लौट जाओ।सावित्री ने कहा, जहां तक मेरे पति जाएंगे, वहां तक मुझे जाना चाहिए। यह मेरा पत्नि धर्म है। यमराज ने सावित्री की धर्मपरायण वाणी सुनकर वर मांगने को कहा।सावित्री ने कहा, मेरे सास-ससुर अंधे हैं, उन्हें नेत्र-ज्योति दें।

यमराज ने ‘तथास्तु’ कहकर उसे लौट जाने को कहा, किंतु सावित्री उसी प्रकार यमराज के पीछे चलती रही। यमराज ने उससे पुनः वर मांगने को कहा, सावित्री ने वर मांगा, मेरे ससुर का खोया हुआ राज्य उन्हें वापस मिल जाए। यमराज ने ‘तथास्तु’ कहकर उसे फिर से लौट जाने को कहा, परंतु सावित्री नहीं मानी। सावित्री की पति भक्ति व निष्ठा देखकर यमराज भावुक हो गए। उन्होंने एक और वर मांगने के लिए कहा, तब सावित्री ने वर मांगा, मैं सत्यवान के पुत्रों की मां बनना चाहती हूं।कृपा कर आप मुझे यह वरदान दें।

सावित्री की पति-भक्ति से प्रसन्न हो, इस अंतिम वरदान को देते हुए यमराज ने सत्यवान को पाश से मुक्त कर दिया और चले गए।सावित्री अब उसी वट वृक्ष के पास आई। वट वृक्ष के नीचे पड़े सत्यवान के मृत शरीर में जीव का संचार हुआ और वह उठकर बैठ गया। सत्यवान के माता-पिता की आंखें ठीक हो गईं और उन्हें उनका खोया हुआ राज्य वापस मिल गया।

सावित्री व्रत के दिन सूर्यग्रहण भी लग रहा है। हालांकि यह सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इस कारण यहां पर इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा।इस पर्व को मनाने के लिए सुहागिन महिलाएं सुबह जल्दी उठें और स्नान करें। स्नान के बाद व्रत करने का संकल्प लें। शृंगार करें। इस दिन पीला सिंदूर लगाना शुभ माना जाता है। वट व्रक्ष के पास या वृक्ष की टहनी रखकर सावित्री-सत्यवान और यमराज की मूर्ति रखें। वट वृक्ष में जल डालकर उसमें पुष्प, अक्षत, फूल और मिठाई चढ़ाएं। वृक्ष में रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद मांगें। वृक्ष की सात बार परिक्रमा करें। इसके बाद हाथ में काले चना लेकर इस व्रत का कथा सुनें। कथा सुनने के बाद पंडित जी को दान देना न भूलें। दान में आप वस्त्र, पैसे और चने दें। अगले दिन व्रत को तोड़ने से पहले बरगद के वृक्ष का कोपल खाकर उपवास समाप्त करें।इस पर्व का एक आशय जहां पति के प्रति समर्पण भाव है,वही वट वृक्ष की पूजा के रूप में पर्यावरण का संरक्षण करना भी है।(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन/ईएमएस)(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8029

बाएँ से दाएँ

1.तन,शरीर-3
3.चकोर,चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6.झगड़ा,द्वेष-3
7.मोटा आटा-2
8.खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9.असली,शुद्ध-3
10.यंत्रशाला-4
12.कार्यविधि-3
14.चिंगारी-3
16.एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20.सम्मान-2
21.प्राण,जीवन तत्व-2
22.कुशल,होनहार-3
24.राशिचक्र की एक राशि-3
25.प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे

2.अवलोकन,दरस-3
3.चलने का ढंग-2
4.तलघर-4
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.जलजला-3
7.रसीला,रस से भरपूर-4
8.बल,जोर,दम-3
10.चाचा,अंकल-2
11.शौहर,पति-3
13.‘दीवाने हुए पागल’ की नायिका-2,2
14.वहम,संदेह-3
15.राजा,सम्राट-3
16.उपद्रवी,आतंकी-4
17.गिरवी रखी वस्तु-3
20.बैठने की जगह-3
21.शराब का प्याला-2
23.रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8028 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

ब्रेथवेट की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्टसीरीज खेलेगी वेस्टइंडीज

सेंट जॉन्स (ईएमएस)। क्रेग ब्रेथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली रिचर्ड्स-बॉथम टेस्ट सीरीज में उतरेगी। वहीं तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ टीम के उप-कप्तान होंगे। वेस्टइंडीज बोर्ड ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में ऑलराउंडर जैसन होल्डर को भी शामिल किया गया है। टीम से कई खिलाड़ियों को बाहर करते हुए कुछ युवा खिलाड़ियों को इसमें जगह दी गयी है। इसी के तहत ही 23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज मिकाइल लुइस को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। लुइस ने लीवार्ड आइलैंड्स हरिकेंस के लिए अपने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में 48.71 की औसत से 682 रन बनाए थे। अगर लुइस इंग्लैंड में वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू करते हैं, तो वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले सेंट किट्स के पहले खिलाड़ी होंगे।

वहीं चोट के बाद वापसी कर रहे होल्डर के होने से टीम को बल्लेबाजी के साथ ही एक बेहतर गेंदबाज भी मिलता है। इसके अलावा रोच, सील्स और शमर जोसेफ भी इस टेस्ट टीम में शामिल हैं। इसके अलावा उभरते हुए तेज गेंदबाज ईसाई थोर्न भी टीम के साथ सीखने के लिए रहेंगे। थोर्न ने पहले प्रथम श्रेणी सत्र में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने अपने पहले आठ मैचों में 16.29 की औसत से 31 विकेट लिए थे। टीम टोनब्रिज स्कूल में प्रशिक्षण शिविर के लिए 23 जून को इंग्लैंड पहुंचेगी। उसके बाद 4 जुलाई से बकिंघम में 4 दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार हैः क्रेग ब्रेथवेट (कप्तान), एलिक अथानाजे, जेसन होल्डर, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, जाचरी मैक्कास्की, किर्क मैकेंजी, गुडाकेश मोती, केमार रोच, जेडन सील्स और केविन सिंक्लेयर।

कार्यक्रम इस प्रकार है :

4 से 7 जुलाईः बकिंघम में 4 दिवसीय वार्म-अप मैच
10 से 14 जुलाईः लॉर्ड्स में पहला टेस्ट मैच
18 से 22 जुलाईः ट्रेंट ब्रिज में दूसरा टेस्ट मैच
26 से 30 जुलाईः एजबेस्टन में तीसरा टेस्ट मैच।

घुटने में दर्द के कारण फ्रेंच ओपन से हटे जोकोविच

पेरिस (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल से अपना नाम वापस ले लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच को अपने शुरुआती मैचों में भी घुटने में दर्द उठा था पर उन्होंने इसके बाद भी जीत दर्ज की थी। जोकोविच ने कहा, ‘मुझे टूर्नामेंट के बीच में हटने की घोषणा करते हुए बहुत निराशा हो रही है। मैंने दूसरे दौर के मैच में पूरे दिल से खेला और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दाहिने घुटने में एक मेनिस्कस टियर को देखते हुए मैंने मैच से बाहर होने का कठिन फैसला लिया।

उन्होंने साथ ही कहा, ‘मैं इस सप्ताह फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और अपने प्रशंसकों को उनके प्यार और लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। जोकोविच की चोट अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के साथ हुए दूसरे दौर में मैच के दौरान उबर गई थी।

रोहित और द्रविड़ के पास आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अंतिम अवसर

न्यूयार्क (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के पास कोई आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अंतिम अवसर है। इसका कारण ये है कि रोहित अब 37 साल के हो गये हैं और कप्तान के तोर पर अपना अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं। अगले विश्वकप में वह शायद ही खेल पायें। अगर वह खेलेंगे तो भी कप्तान नहीं रहेंगे। इस प्रकार उनके पास कप्तान के तौर पर आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अंतिम अवसर है।

रोहित 2007 में टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे थे। इस प्रकार कोच ल द्रविड़ के लिए भी यह आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अंतिम अवसर है। द्रविड़ ने बतौर खिलाड़ी 1999, 2003 का विश्व कप खेला। इसके बाद 2007 विश्वकप में वह कप्तान थे पर इन तीनों ही बार भारतीय टीम जीत दर्ज नहीं कर पायी।

द्रविड़ के पास अब कोच के तौर पर आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अवसर है हालांकि इससे पहले द्रविड़ के कोच रहते टीम एकदिवसीय विश्व कप और विश्वटेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची थी पर खिताब नहीं जीत पायी। द्रविड़ का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप के बाद समाप्त हो रहा है। ऐसे में द्रविड़ का प्रयास आईसीसी ट्रॉफी जीतकर कोच पद छोड़ना रहेगा।

बारिश के कारण इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मुकाबला रद्द

बारबाडोस (ईएमएस)। यहां के केनसिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। बारिश के कारण ये मैच 10-10 ओवर का कर दिया गया था पर केवल दस ओवर ही फेंके जा सके। स्कॉटलैंड ने 10 ओवर में बिना कोई विकेट खोय 90 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड को जीत के लिए 10 ओवर में 109 रनों का लक्ष्य मिला पर बारिश शुरु होने से वह खेल नहीं पायी। अंत में अंपायरों ने ये मुकाबला रद्द घोषित कर दिया।

इस विश्व कप में यह पहला मौका है जब कोई मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया है।

स्कॉटलैंड की ओर से ओपनर जॉर्ज मुंशी ने 31 गेंदों पर 41 रन जबकि माइकल जोंस ने 30 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए। मुंशी ने अपनी पारी में 4 चौके और 2 छक्के लगाए जबकि जोंस ने भी 4 चौके और दो छक्के लगाये। इंग्लैंड ने इस दौरान 5 गेंदबाज आक्रमण पर लगाए लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिली जोस बटलर एंड कंपनी को संशोधित लक्ष्य 109 रन का मिला था जो उसे 60 गेंदों पर हासिल करना था पर इसके बाद बारिश फिर शुरू हो गई. जिसके बाद अंपायर्स ने इसे रद्द घोषित कर दिया।

नीदरलैंड ने नेपाल को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में हराया

डलास (ईएमएस)। टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की शानदार गेंदबाजी और मैक्स ओ'डाउड के अर्धशतक की सहायता से ही नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने पहले ही मुकाबले में नेपाल को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में नेपाल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में ही 106 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को नीदरलैंड की टीम ने 19.4 ओवर में ही चार विकेट खोकर 109 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में ओ'डाउड ने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। वहीं नेपाल की ओर से सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी और अविनाश बोहरा ने एक-एक विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो-दो विकेट मिले।

इस मैच में नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर नेपाल को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और नेपाल की पारी को ध्वस्त कर दिया। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। उन्होंने 37 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए जबकि निचले क्रम में करण केसी ने 17 और गुलशन झा ने 14 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। माइकल लेविट एक रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

भारतीय टीम टी20 महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी : हरमनप्रीत

ढाका (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं।

स्पेक्ट्रम की नीलामी अब 25 जून को

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने स्पेक्ट्रम नीलामी की समय सीमा 19 दिन बढ़ा दी है यह नीलामी अब 25 जून होगी। विभाग की वेबसाइट पर यह जानकारी मिली है। नीलामी के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले नोटिस में किए गए संशोधन के मुताबिक कि लाइव नीलामी की शुरुआत की नई तारीख 6 जून से बदलकर 25 जून कर दी गई है। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए करीब 96,317 करोड़ रुपए के आधार मूल्य पर 8 स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। नीलामी में 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज, 2500 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज बैंड में उपलब्ध सभी स्पेक्ट्रम उपलब्ध हैं।

रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 3000 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा बयाना राशि जमा की है। इससे कंपनी मैक्सिमम रेडियो फ्रीक्वेंसी के लिए बोली लगा सकेगी। बोलीदाता के लिए पूर्व-पात्रता विवरण के मुताबिक भारती एयरटेल ने 1050 करोड़ रुपए और वोडाफोन आइडिया ने 300 करोड़ रुपए की बयाना राशि जमा कर दी है।

कंपनियों को जमा की गई बयाना राशि के आधार पर पॉइंट मिलते हैं। इसके आधार पर वे अपनी इच्छा अनुसार सर्किल की संख्या और स्पेक्ट्रम की मात्रा के लिए बोली लगा सकते हैं। हाई पॉइंट्स का मतलब बोली लगाने की उच्च क्षमता है।

स्पेक्ट्रम 20 साल की अवधि के लिए दिया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को 20 समान सालाना किस्तों में भुगतान करने की सुविधा होगी। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने आगामी नीलामी के माध्यम से प्राप्त स्पेक्ट्रम को न्यूनतम 10 साल की अवधि के बाद वापस करने का विकल्प है। अब 25 जून को देश में एक्टिव टेलीकॉम सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनियां भारती एयरटेल, रिलायंस जियो इंफोकॉम, वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों को अगले 20 सालों के लिए 8 तरह के स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाने का मौका मिलेगा।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी कीमतें बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के दूसरे दिन वायदा कारोबार में बढ़त रही। सुबह सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 89,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 80 रुपये बढ़कर 72,077 रुपये के भाव पर खुला। यहा 72,080 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,037 रुपये के भाव पर दिन के निचेला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल कर लिया था।

इसे अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 239 रुपये की तेजी के साथ 89,898 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 141 रुपये की तेजी के साथ 89,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,899 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 89,757 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही।

भारत की सर्विस सेक्टर की ग्रोथ घटकर निचले स्तर पर आई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भीषण गर्मी, कड़ी प्रतिस्पर्धा, मूल्य दबाव के चलते मई माह में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर निचले स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ठेकों में एक दशक में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है।

मौसमी रूप से समायोजित एच एसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई माह में गिरकर 60.2 पर आ गया जो पिछले साल दिसंबर के बाद से सबसे निचला स्तर है। अप्रैल में यह 60.8 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गति विधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। मई माह के आंकड़ों से पता चलता है कि नए व्यवसाय में मजबूत वृद्धि ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में उत्पादन वृद्धि को बल देना जारी रखा है।

सर्वेक्षण के मुताबिक एक और सकारात्मक बात यह है कि कारोबारी विश्वास में 8 महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ोरती हुई। बिक्री में बढ़ोतरी, उत्पादकता में तेजी और मांग में मजबूती से वृद्धि को समर्थन मिला है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबावों के कारण वृद्धि में कुछ बाधा भी आई। एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा कि मई में भारत की सेवा गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, घरेलू नए ठेकों में थोड़ी कमी आई लेकिन वे मजबूत बने रहे। यह मजबूत मांग को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मई में कच्चे माल औरश्रम की लागत में बढ़ोरती के चल ते लागत दबाव बढ़ गया। कंपनियां मूल्य वृद्धि का एक हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाने में सक्षम रहीं। मई में जिस क्षेत्र में पर्याप्त सुधार हुआ, वह नए निर्यात ठेके थे, जिसमें बढ़ोतरी सितंबर 2014में श्रृंखला की शुरुआत के बाद से सबसे तेज रही। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया, अफ्रीका, और अमेरिका से मांग में मजबूत वृद्धि देखी। इस बीच एच एसबीसी इंडिया कंपोजिट पीए हमआई आउटपुट इंडेक्स मई में गिरकर 60.5 हो गया जो अप्रैल में 61.5 था।

फिलीपींस में ज्वालामुखी फटा, स्कूल-कॉलेज बंद, 32 फ्लाइट कैंसिल की गईं

नेग्रोस(ईएमएस)। फिलीपींस के माउंट कनलाओं में ज्वालामुखी विस्फोट हो गया है। ज्वालामुखी नेग्रोस आइलैंड पर है। विस्फोट के बाद आसमान में पांच किलोमीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। वहां अभी भी लगातार ज्वालामुखी का मलबा ओर गर्म राख निकल रही है।

सुरक्षा अधिकारियों ने लोगों को वहां से निकालना शुरू कर दिया है। नेग्रोस के गवर्नर जोस लैक्स के मुताबिक लोगों को वहां से हटाकर ऑक्सिडेंटल प्रांत ले जाया जा रहा है, जहां अब तक 700 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

फिलीपींस की सरकार ने लोगों से ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में जाने से मना किया है। सरकार ने इलाके में सल्फ्यूरिक गैस फैलने की चेतावनी जारी की है। सल्फ्यूरिक गैस से स्किन एलर्जी और सांस लेने में परेशानी होती है।

25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूलने के नाम पर स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना महामारी के बाद से रेलवे ने अपनी इनकम को बढ़ाने के लिए स्पेशल ट्रेनों का स्वरूप ही बदल दिया है। पहले गर्मियों में, त्योहार के टाइम, या जब कोई विशेष आयोजन होते थे। उस समय पर रेलवे प्रशासन द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाई जाती थी। उसका सामान्य किराया होता था। यात्रियों को तकलीफ ना हो इसके लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाती थी।

कोविड के बाद से रेलवे मंत्रालय द्वारा जो स्पेशल ट्रेन संचालित की जा रही है। उसमें नियमित ट्रेन की तुलना में 25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूल किया जा रहा है। इससे रेलवे की आय काफी बढ़ गईं है। पिछले दो वर्षों से स्पेशल ट्रेनों को लगातार चलाया जा रहा है। रेलवे यात्रियों से 25 फ़ीसदी ज़्यादा किराया वसूल किया जा रहा है। जो नियमित ट्रेन चलती थी, उसको रेलवे मंत्रालय ने शुरू न करके, स्पेशल ट्रेन के माध्यम से यात्रियों से टिकट का ज्यादा पैसा वसूल किया जा रहा है।

स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी सही तरीके से नहीं हो रहा है। स्पेशल ट्रेनों ने अपनी लेट लतीफी के लिए एक अलग पहचान बना ली है। 30 घंटे तक की देरी से चलने का रिकॉर्ड स्पेशल ट्रेनों ने बना लिया है। इन्ही स्पेशल ट्रेनों में क्षमता से अधिक यात्रियों द्वारा सफर किया जाता है। सभी टिकट लेकर यात्रा करते हैं। लेकिन उन्हें आरक्षित बर्थ नहीं मिल पाती है। सामान्य डब्बे बहुत कम होते हैं। अमूमन सामान्य डिब्बे में डेढ़ सौ से 200 यात्री सफर करते हैं।

अब मुसलमानों को सोच-समझ कर ही टिकट देंगे-मायावती

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी को हुए जबरदस्त नुकसान के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बसपा द्वारा उचित प्रतिनिधित्व देने के बाद भी मुस्लिम समाज ने हमारा साथ नहीं दिया ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझकर ही मौका दिया जाएगा। चुनाव में हुए नुकसान पर उन्होंने कहा कि हम इसका गहन विश्लेषण करेंगे और देश के करोड़ों, गरीबों, दलितों, शोषितों, आदिवासियों, पिछड़ों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए काम करते रहेंगे जिससे उनकी सुरक्षा व सम्मान पर मंडराता खतरा दूर हो।

बसपा नेत्री मायावती ने ढाई महीने लंबे चुनाव कार्यक्रम पर कहा कि हमारी पार्टी का शुरू से ही ये मानना रहा है कि चुनाव बहुत लंबा नहीं होना चाहिए। इसे तीन से चार चरणों में ही पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव जोरदार गर्मी की तपिश से प्रभावित रहा जिससे लोगों के उत्साह पर भी फर्क पड़ा। ऐसे मे यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र व आमजन के व्यापक हित के मद्देनजर, आगे चुनाव कराते समय चुनाव आयोग द्वारा लोगों की इन खास परेशानियों को जरूर ध्यान में रखा जाएगा।

गौरतलब है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में बसपा ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। मंगलवार के घोषित हुए परिणामों में प्रदेश की 80 सीटों में से एक भी सीट पर बसपा को जीत नहीं मिली। वहीं, भाजपा ने 33, सपा ने 37, कांग्रेस ने 6, रालोद ने 2, आजाद समाज पार्टी ने 1 और अपना दल (एस) ने एक सीट पर जीत दर्ज की है। इसके पहले लोकसभा चुनाव 2014 में भी बसपा को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी।

गेंदबाजों के बाद रोहित शर्मा, ऋषभ पंत की बैटिंग का धमाल, भारत ने आयरलैंड को 8 रनों से पटका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज बेहतरीन अंदाज में किया है। टीम इंडिया ने अपने ऑलराउंड खेल के दम पर आयरलैंड को 8 विकेट से हरा दिया। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने आयरलैंड को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया और 16 ओवरों में 96 रनों पर ही ढेर कर दिया। आसान से लक्ष्य को भारत ने 12.2 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया।

भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने बेहतरी पारी खेली। रोहित ने 37 गेंद पर चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। रोहित शर्मा इसके बाद रिटायर हर्ट हो गए। उनके कंधे में हल्की चोट थी और इसलिए वह वापस चले गए। गेंदबाजी में भारत के लिए हार्दिक पांडया ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

रोहित ने अपने गेंदबाजों पर भरोसा करते हुए पहले गेंदबाजी चुनी और उनका ये भरोसा सही साबित हुआ। पारी के तीसरे ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने आयलैंड को दो झटके दे दिए। उन्होंने पहले आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टार्लिंग को पवेलिन भेजा और फिर ओवर की आखिरी गेंद पर एंडी बालबर्नी को आउट कर दिया। स्टार्लिंग ने दो और बालबर्नी ने पांच रन बनाए। इसके बाद हार्दिक पांडया ने कहर बरपाया और लॉरैन टकर को पवेलियन की राह दिखाई। टकर ने 10 रन ही बनाए।

बुमराह ने हैरी टेक्टर को अपना शिकार बनाया। पांडया ने फिर कर्टिस कैम्फर को पवेलियन भेजा। ये तूफानी बल्लेबाज 12 रनों से आगे नहीं जा सका। मोहम्मद सिराज भी खाली हाथ नहीं रहे। उन्होंने जॉर्ज डॉकरेल को आउट कर खाता खोला। मार्क एडेर को शिवम दुबे के हाथों आउट करा पांडया ने अपना तीसरा विकेट लिया। डॉकरेल और मार्क दोनों ने तीन-तीन रन बनाए। अक्षर पटेल ने बैरी मैक्गार्थी को अपनी ही गेंद पर शानदार कैच कर विकेट कॉलम में नाम लिखवा लिया। बुमराह ने फिर जोशुआ लिटिल को पवेलियन दूसरी सफलता हासिल की। गैरेथ डेलनी रन आउट हुए और इसी के साथ आयरलैंड की पारी समाप्त हो गई।

भारत को जीत के लिए 97 रन बनाने थे। रोहित के साथ विराट कोहली पारी की शुरुआत करने आए, लेकिन ओपनिंग आना कोहली को रास नहीं आया। तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर मार्क एडेर ने उन्हें बेन व्हाइट के हाथों कैच करा दिया। कोहली एक रन बनाकर आउट हो गए जो उनका टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कम स्कोर है। लेकिन रोहित ने अपना खेल जारी रखा। उन्होंने पैर जमाने के बाद लंबे शॉट लगाए और अर्धशतक पूरा किया। लेकिन 52 रन बनाकर वह रिटायर हर्ट हो गए। उन्हें चोट लग गई थी। रोहित ने 37 गेंदों का सामना किया और चार चौकों के अलावी तीन छक्के मारे। पंत ने उनका काम किया और तेजी से रन बनाने जारी रखे। सूर्यकुमार यादव हालांकि कुछ खास नहीं कर सके। चार गेंदों पर दो रन बनाकर सूर्यकुमार आउट हो गए।

32 करोड़ टन से ज्यादा होगा खाद्य उत्पादन

नई दिल्ली(ईएमएस)। सरकार ने देश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद जताई है। 11.29 करोड़ टन गेहूं पैदा हो सकता है। जबकि कुल खाद्यान्न 32 करोड़ टन से ज्यादा हो सकता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 के प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान में कहा, चावल उत्पादन इस दौरान 13.67 करोड़ टन रह सकता है।

जारी अनुमान के मुताबिक, मक्का का उत्पादन 3.57 करोड़ टन, श्री अन्न का 1.74 करोड़ टन, अरहर का 33.85 लाख टन और चना का 1.16 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है। तिलहन 3.96 करोड़ टन, सोयाबीन 1.30 करोड़ टन, रेपसीड और सरसों का 1.31 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है। गन्ना का उत्पादन 44.25 करोड़ टन, कपास का 3.25 करोड़ टन और जूट का 92.59 लाख टन हो सकता है।

एनडीए और इंडिया दोनों ही गठबंधनों ने आगे की रणनीति को लेकर बैठक आयोजित की

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आने के बाद एनडीए और इंडिया दोनों ही गठबंधनों ने आगे की रणनीति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की है।

विपक्षी दल ने बैठक में आगे का एजेंडा और सरकार गठन की संभावनाओं को तलाशने पर विचार किया है।

इधर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए भी चुनाव परिणामों की समीक्षा करने, सरकार गठन को लेकर चर्चा करने और समझौतों पर सहमति बनाने को लेकर व्यस्त है। नरेंद्र मोदी ने औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, मोदी शनिवार को ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार सहित तमाम एनडीए दलों ने अपना समर्थन पत्र दे दिया है।

तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा के साथ लोकसभा अध्यक्ष की सीट और हर तीन सांसदों पर एक मंत्री पद का मांग की है।

वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपनी पार्टी के लिए कई मांगें रखी हैं। 2019 में तब बीजेपी ने एक से अधिक मंत्री पद देने की मांग ठुकरा दी थी, वो अपने राज्य के लिए विशेष दर्जा भी चाहते थे, लेकिन इस बार परिस्थिति बदल गई है। भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे रह गई है, ऐसे में उसके सामने गठबंधन के साथ आगे बढ़ने का ही एकमात्र रास्ता है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों ही पहले विपक्ष का हिस्सा रहे हैं और अब एनडीए का हिस्सा हैं।

नीतीश कुमार ने चार महीने पहले ही विपक्षी इंडिया गठबंधन को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन फिर कुछ बातों से खफा होकर उन्होंने फिर पाला बदल लिया। नायडू, भी पिछले आम चुनाव से पहले एनडीए छोड़कर विपक्ष का हिस्सा बन गए थे, लेकिन इस साल फरवरी में उन्होंने भी यू-टर्न ले लिया।

यूपी के दो सांसदों ने रचा इतिहास, पुष्पेंद्र और प्रिया सरोज बने सबसे कम उम्र के सांसद

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में देश का सबसे युवा सांसद होने का रिकॉर्ड भी टूट गया है। कौशांबी संसदीय सीट से जीते समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज देश के इतिहास में अब तक के सबसे युवा सांसद बन गए हैं। पुष्पेंद्र सरोज इसी साल के मार्च में 25 साल के हुए हैं और रिजल्ट वाले दिन यानि चार जून 2024 को पुष्पेंद्र सरोज की उम्र 25 साल तीन महीने तीन दिन थी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले ओडिशा के क्योंझर लोकसभा सीट से चंद्राणी मुर्मू सबसे युवा महिला सांसद थीं। चंद्राणी मुर्मू 25 साल 11 महीने की उम्र में सांसद चुनी गईं थीं। वहीं अब लोकसभा चुनाव 2024 में उनका रिकॉर्ड पुष्पेंद्र सरोज ने तो तोड़ा ही साथ में मछलीशहर संसदीय सीट से जीतीं सपा प्रत्याशी प्रिया सरोज ने भी तोड़ दिया। दरअसल, प्रिया सरोज की उम्र 25 साल 07 महीने है। ऐसे में देश की सबसे युवा महिला सांसद का खिताब तो अब प्रिया सरोज के नाम हो गया है।

देश के सबसे युवा सांसद बने पुष्पेंद्र सरोज मंझनपुर आरक्षित सीट से 1997 से लगातार चार बार रहे विधायक इंद्रजीत सरोज के बेटे हैं। पुष्पेंद्र ने इंटरमीडिएट तक की पढाई देहरादून से की। इसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी लंदन से की है। लंदन से वापस आने के बाद पुष्पेंद्र अपने पिता इंद्रजीत सिंह की राजनीती में साथ नजर आने लगे। ऐसे में उनकी सक्रियता देखते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उन्हें कौशांबी संसदीय सीट से टिकट दे दिया और नतीजा ये रहा कि पुष्पेंद्र सरोज ने कौशांबी संसदीय सीट से लगातार दो बार चुने गए भाजपा सांसद विनोद सोनकर को एक लाख तीन हजार 944 वोटों से हराकर सीट अपने नाम कर ली। साथ ही कम उम्र के चलते सबसे युवा सांसद भी बन गए।

देश की दूसरी सबसे युवा सांसद प्रिया सरोज मछलीशहर लोकसभा सीट से पूर्व सांसद और वर्तमान विधायक तूफानी सरोज की बेटी हैं। उन्होंने नोएडा से एलएलबी की डिग्री हासिल की हैं और सुप्रीम कोर्ट में लॉयर की प्रैक्टिस कर रही हैं। बता दें कि वाराणसी के पिंडरा तहसील के करखियांव गांव की मूल निवासी प्रिया सरोज ने 18 साल की उम्र पार करते ही समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले ली। साथ ही पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने लगीं। वहीं सोशल मीडिया पर भी प्रिया सरोज की सपा मुखिया अखिलेश यादव और पार्टी के कई कार्यक्रमों की तस्वीर देखने को मिली। ऐसे में अखिलेश यादव ने राजनीति में उनकी सक्रियता को देखते हुए मछलीशहर लोकसभा सीट से टिकट दे दिया और प्रिया सरोज ने भाजपा के बीपी सरोज को 35,850 वोटों के अंतर से हराकर ये सीट सपा के खेमे में दे दी। साथ ही 2014 के लोकसभा चुनाव में तूफानी सरोज को मिली हार का भी बदला ले लिया। ऐसे में बेटी प्रिया सरोज ने सांसद बनकर पिता की विरासत को भी संभाल लिया है।

अब नई सरकार को जीएसटी, महंगाई जैसे मुद्दों का करना होगा सामना

-आम जनता को बेरोजगारी जैसी समस्याओं से निजात पाने की आस

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं अब देश को नई सरकार बनने का इंतजार है और कई आशाएं भी हैं। आमजनता नई सरकार से मंहगाई, बेरोजगारी जैसे समस्याओं से निजात पाने की आस लगाए हैं। वहीं देश की नई सरकार के सामने कई प्रमुख नीतिगत मुद्दों होंगे। इन मुद्दों में जीएसटी में सुधार, महंगाई, सार्वजनिक वित्त, खाद्य कीमतें और निवेश को बढ़ावा देना आदि कई शामिल हैं। नई सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

नई सरकार को पहले भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक आर्थिक स्थिति के कारण सुधारों में तेज़ी लाने की जरूरत होगी, लेकिन केंद्र में गठबंधन की सरकार होने से यह आसान नहीं होगा। निजीकरण और जीएसटी पर पुनर्विचार जैसे कुछ मुद्दों पर आम सहमति की जरूरत होती है। जिस पर नई सरकार को ध्यान देने की जरूरत होगी।

पांच स्लैब वाले जीएसटी रेट स्ट्रक्चर का तुरंत रीव्यू नहीं किया जा सकता है। इसके लिए 12फीसदी और 18फीसदी स्लैब को मर्ज करने की जरूरत पड़ेगी, जिससे हाई ब्रैकेट में आने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर शुल्क में बढ़ोतरी की जरूरत होगी। इस पर राजनीतिक सहमति बनाना आसान नहीं होगा।

निजीकरण को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। आरबीआई के 2.1 लाख करोड़ रुपए के मेगा लाभांश और मजबूत जीएसटी राजस्व से केंद्र की वित्तीय स्थिति अच्छी हो सकती है, लेकिन केंद्र को सब्सिडी व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए धीमी गति से काम करना पड़ेगा। हालांकि लीकेज को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी का ज्यादा इस्तेमाल ऐसा है जो नहीं बदलेगा।

साल 2021-22 में 85 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद लगातार दो सालों से विदेशी निवेश का वार्षिक फ्लो गिरा है। यह 2023-24 में 71 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। सरकार से इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत कई क्षेत्रों में निवेश व्यवस्था को और ज्यादा आकर्षक बनाने की उम्मीद है।

खाद्य कीमतें अस्थिर और उच्च बनी हुई हैं। नई सरकार कीमतों को मौसम से बचाने और गर्मी और बाढ़ जैसे जलवायु-प्रेरित झटकों से बचाने के लिए कदम उठा सकती है। वहीं नई जीडीपी डेटा कृषि क्षेत्र में सापेक्षिक ठहराव को दर्शाता है। सिंचाई और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करने वाले सुधारों की उम्मीद है।

उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना ने स्मार्टफोन और अन्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है, लेकिन इसे खिलौने और जूते जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तारित करने की मांग की गई है। निर्यात उत्पादन के लिए चीन से बाहर निकलने के इच्छुक कंपनियों और क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए पीएलआई को और बेहतर बनाने की उम्मीद है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी, एआई, डेटा सुरक्षा के बेहतर विनियमन पर विचार किया जा रहा है।

अर्थशास्त्रियों का मनना है कि 2024-25 की जीडीपी वृद्धि 2023-24 में 8.2फीसदी की वृद्धि को दोहराएगी, लेकिन मौजूदा वैश्विक आर्थिक माहौल में 7फीसदी की बढ़ोरती दर तय करना भी आसान नहीं होगा। आर्थिक मंत्रालयों ने 2030 और 2047 के लिए विशिष्ट लक्ष्यों के साथ कार्य योजनाएं बनाई हैं। अगर नई सरकार में आम सहमति बनती है, तो मंत्रालय-वार कार्य योजना का अनावरण किया जा सकता है।

अमेरिका में गहराया अवैध प्रवासियों का संकट, बाइडेन सरकार ने दिया आदेश

अवैध शरणार्थियों की एंट्री पर लगाम लगाएगा अमेरिका

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। अमेरिका में इसी साल 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इस बीच देश में शरणार्थी संकट एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। विपक्षी नेता डोनाल्ड ट्रम्प से लेकर दुनिया के सबसे रईस शख्स इलॉन मस्क तक अवैध प्रवासी मुद्दे को लेकर बाइडेन सरकार पर काफी हमलावर रहे हैं। जनता में भी अवैध शरणार्थी के मुद्दे को लेकर काफी नाराजगी है।

इस बीच राष्ट्रपति बाइडेन ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अवैध प्रवासी संकट से जुड़े एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है। इससे बिना इजाजत के अमेरिका जाने वाले अवैध प्रवासियों के लिए शरण लेना आसान नहीं रह जाएगा। इस आदेश में यह प्रावधान है कि यदि दक्षिणी सीमा पार कर अवैध रूप से देश में आने वाले शरणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है तो उनके आवेदन तत्काल खारिज किए जा सकते हैं।

संख्या बढ़ने पर उठाया जाएगा कदम

व्हाइट हाउस ने अवैध प्रवासियों से जुड़े नए प्रस्ताव की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए ये कदम उठा रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इसमें ये भी कहा है कि ये कार्रवाई तभी प्रभावी होगी जब अवैध रूप से दक्षिणी सीमा पार कर अमेरिका पहुंचे वाले लोगों की औसत संख्या 2500 को पार कर जाएगी। ये नए नियम बुधवार सुबह से लागू हो गए हैं। ये नियम तब तक लागू रहेंगे जब तक कि औसत संख्या घटकर 1,500 से कम न हो जाए। नए नियम के तहत, लगातार 7 दिन तक अवैध शरणार्थिकों की संख्या यदि 1,500 से कम रही तो उसके दो सप्ताह बाद शरणार्थियों के लिए सीमा फिर से खुल जाएगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि अगर बाद में भी ये संख्या फिर से बढ़ती है तो प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। हालांकि इस प्रस्ताव में नाबालिग बच्चों और मानव तस्करी के शिकार लोगों को अपवाद में रखा गया है। वर्तमान में अवैध रूप से सीमा पार कर अमेरिका में प्रवेश लेने वाले लोगों की संख्या औसतन 3,700 है।

नए कानून से बढ़ेगी मुश्किलें

आलोचकों का मानना है कि बाइडेन सरकार के इस नए प्रस्ताव में नाबालिग शरणार्थियों को अपवाद में रखे जाने से इनकी संख्या में भारी वृद्धि हो जाएगी। हालांकि राष्ट्रपति बाइडेन ने इस नए प्रस्ताव को मानवीय विचारों से प्रेरित बताया है। उन्होंने इस आदेश की घोषणा करते हुए कहा कि ये डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच कई सप्ताह की बातचीत का परिणाम है। कुछ रिपब्लिन सांसदों ने ये दावा किया कि ये उनकी जीत है और वो डोनाल्ड ट्रम्प थे जिन्होंने बाइडेन को ये फैसला लेने पर मजबूर कर दिया। इन आरोपों पर बाइडेन ने कहा कि ट्रम्प अवैध शरणार्थियों का मुद्दा कभी सुलझाना नहीं चाहते थे वे इस मुद्दे का इस्तेमाल सरकार पर हमला करने के लिए कर रहे थे।

ये है अमेरिका का सबसे खराब शहर.......कॉकरोच से पट पड़ा है पूरा नगर

ह्यूस्टन (ईएमएस)। आप सोचते हैं कि अमेरिका के सभी शहर बहुत अच्छा और साफ सुथरे होते हैं, तब आप सही नहीं हैं। एक अमेरिकी शहर ऐसा भी है जो गंदगी के लिए ज्यादा ही जाना जाता है। एक सर्वे में इस शहर को अमेरिका के सबसे गंदे शहरों में से एक बताया गया है।

एक अध्ययन में, राज्यों के 150 से अधिक सबसे बड़े शहरों की तुलना चार समूहों में की गई ताकि यह देखा जा सके कि कौन शीर्ष पर आएगा। समूह में प्रदूषण, रहने की स्थिति, बुनियादी ढांचा और ग्राहकों की संतुष्टि जैसी बातों का ध्यान रखा गया था। सबसे अधिक औसत अंक पाने वाले शहर को 'सबसे गंदा' दर्जा दिया गया, जबकि सबसे कम औसत अंक वाले शहर को सबसे साफ शहर का दर्जा दिया गया। इस तरह से सर्वे के मुताबिक अमेरिका का सबसे गंदा शहर टेक्सास का ह्यूस्टन है, जिसे सबसे गंदे शहर का दर्जा मिला है।

ह्यूस्टन को सम्मान इसकी भयानक वायु गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे की समस्याओं और घरों में घुसने वाले कीड़ों की चौंका देने वाली संख्या के कारण मिला है। रिपोर्ट में कहा गया कि ह्यूस्टन में कॉकरोच की सबसे खराब समस्या है, शहर में खौफनाक जीव रेंग रहे हैं। कई लोगों का कहना था कि इन हालातों में रहना उनके लिए जीवन का एक तरीका बन गया था।

भारत में टैक्स सिस्टम की जटिलताएं ग्लोबल एयरलाइन्स देश छोड़ने को मजबूर!

-टेस्ला के सीईओ मस्क ने भी भारत की टैक्स व्यवस्था पर उठाए थे सवाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने चेतावनी दी है कि भारत में टैक्स सिस्टम की जटिलताएं ग्लोबल एयरलाइन्स को देश छोड़ने के लिए मजबूर कर सकती हैं। आईएटीए की स्थापना 1945 में कुछ एयरलाइन कंपनियों ने की थी। आज दुनियाभर की 300 से अधिक एयरलाइन कंपनियां इसकी मेंबर हैं।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कुछ साल पहले भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि भारत में टैक्स की दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद सरकार ने अपनी ईवी पॉलिसी में बदलाव करके टेस्ला के भारत आने का रास्ता साफ कर दिया था। कंपनी ने अब तक भारत में एंट्री नहीं की है। इस बीच विदेशी एयरलाइन कंपनियों ने भी अब भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। उनका कहना है कि भारत का टैक्स सिस्टम बहुत जटिल है और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो उन्हें भारत को हमेशा के लिए अलविदा कहना पड़ेगा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आईएटीए के डायरेक्टर जनरल विली वॉल्श ने कहा कि भारत में टैक्स से जुड़ी कई समस्याएं हैं। जिनके कारण विदेशी एयरलाइन कंपनियां भारत छोड़ सकती हैं। इनमें टैक्स नियमों की जटिलाएं, बहुत ज्यादा टैक्स और डबल टैक्सेशन का जोखिम है। ये ऐसे इश्यू हैं जिनसे विदेशी एयरलाइन कंपनियां बचना चाहती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अक्टूबर में डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीसीआई) कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के ऑफिसेज पर छापा मारा था। यह मामला टैक्स की चोरी से जुड़ा था।

इसी साल डीजीसीआई ने थाई एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइन्स, लुफ्तहांसा और ब्रिटिश एयरवेज के भारतीय कर्मचारियों को समन भेजा था। इन एयरलाइन कंपनियों पर जीएसटी का भुगतान नहीं करने का आरोप था। एजेंसी के मुताबिक विदेशी एयरलाइन कंपनियों को भारत में एयरक्राफ्ट मेंटनेंस और रेंटल तथा क्रू की सैलरी पर जीएसटी देना होगा।

डीजीसीए के 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक भारत के इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक में विदेशी एयरलाइन्स की हिस्सेदारी 56 फीसदी है जबकि भारतीय कंपनियों का हिस्सा 44 फीसदी है। विदेशी कंपनियों में सबसे ज्यादा 10 फीसदी हिस्सेदारी एमिरेट्स की है। इसके बाद सिंगापुर एयरलाइन्स, एतिहाद, कतर एयरवेज, लुफ्तहांसा और एयर अरेबिया का नंबर है। वॉल्श ने कहा कि अगर किसी एयरलाइन को किसी देश से पैसा मिलना बंद हो जाए तो वह वहां ऑपरेट क्यों करेगी?

हमने तालिबान के साथ आगे बढ़ने के कुछ अवसर खो दिए

संयुक्त राष्ट्र के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल मार्टिंग ग्रिफिथ्स ने दिया बयान

जिनेवा,(ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबान का कठोर शासन है, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन करता है। संयुक्त राष्ट्र के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल मार्टिंग ग्रिफिथ्स ने कहा कि अफगानिस्तान खोए हुए अवसरों का देश है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने तालिबान के साथ आगे बढ़ने के कुछ अवसर खो दिए हैं। उनके साथ जुड़ने का एक निश्चित तरीका है, मुझे लगता है कि उनके आदेशों और फैसलों को देखते हुए हमने मौका खो दिया है। हम ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं बना सके जिससे हम तालिबान के साथ व्यापक रूप से जुड़ सकें।

उन्होंने कहा कि निवेश और अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने से अफगानिस्तान प्रगति करेगा और प्रमुख सदस्य देशों को इसे आगे बढ़ाना होगा। ग्रिफिथ्स ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 30 जून को दोहा में होने वाली संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित बैठक अफगानिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण का एजेंडा तय करेगी। जब 2021 में अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाई और तालिबान ने सत्ता संभाली तो उन्होंने कहा कि हमें तब कुछ उम्मीदें थीं, कुछ लिखित प्रतिबद्धताएं थीं।

घर से बाहर काम करने वाली लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा के खिलाफ तालिबान के आदेशों के बारे में उन्होंने कहा कि वे सभी उम्मीदें धराशायी हो गई। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ एक के बाद एक आदेश आए। उन्होंने कहा कि ये 20 साल के खोए अवसरों का परिणाम है। 30 साल से ज्यादा वक्त तक मानवीय कार्य करने के बाद इस महीने के आखिर में संयुक्त राष्ट्र छोड़ने वाले ग्रिफिथ्स ने कहा कि दुनिया की स्थिति अब उस समय से भी बदतर है जब उन्होंने पद संभाला था।

उन्होंने कहा कि ऊपर वाला जानता है कि यह एक अच्छी दुनिया नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना युद्ध के अभिशाप को खत्म करने के लिए की गई थी, लेकिन हम संघर्ष को खत्म् करने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत और संवाद नहीं हो रहा है। यह बहुत जरुरी है बातचीत से ही संघर्ष खत्म होगा।

आईएमएफ एजेंट का किरदार फिर से निभाना नहीं चाहता था: रेनर

- हॉलीवुड स्टार ने 'मिशनः इम्पॉसिबल' में नहीं किया था काम

लॉस एंजेलिस,(ईएमएस)। मिशन इम्पॉसिबल फ्रेंचाइजी में काम करने वाले हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर ने मिशन इम्पॉसिबल-फॉलआउट में काम न करने को लेकर खुलासा किया है। हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर ने 2011 में मिशन इम्पॉसिबल-घोस्ट प्रोटोकॉल और 2015 में मिशन इम्पॉसिबल-रॉग नेशन समेत दो मिशन इम्पॉसिबल फ्रेंचाइजी में काम किया है। हैप्पी सैड कन्फ्यूज्ड पॉडकास्ट पर एक साक्षात्कार में जेरेमी रेनर ने कहा कि मुझे 2018 की सीक्वल फॉलआउट में आईएमएफ एजेंट विलियम ब्रांट के चरित्र को फिर से निभाने के लिए कहा गया था।

फिल्म के लिए उन्हें ऐसी भूमिका दी गई थी जिसके लिए उन्हें एक सप्ताह तक शूटिंग करनी थी ताकि उनके किरदार ब्रांट को मार दिया जा सके। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट में एक्टर की ओर से कहा गया था कि मुझे याद है कि उन्होंने मुझे एक हफ्ते तक अपने साथ लाने की कोशिश की ताकि वे मेरे किरदार को मार सके और मैंने कहा था कि नहीं।

तुम मेरे किरदार को नहीं मार सकते। उन्होंने कहा कि यदि आप मेरे चरित्र का उपयोग करने जा रहे हैं तो सही तरीके से करें।

रेनर ने कहा कि मैं निर्देशक क्रिस्टोफर पर नाराज हुआ। उन्होंने रॉग नेशन के बाद कभी भी मिशन इम्पॉसिबल फ्रैंचाइजी में वापसी नहीं की, हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह वापस आने के लिए तैयार हैं।

ऑस्कर के लिए नामांकित रेनर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि रॉग नेशन के बाद मिशन इम्पॉसिबल फ्रैंचाइजी इसलिए नहीं की ताकि वह अपने परिवार के साथ समय बिता सकें। रेनर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1995 की कॉमेडी नेशनल लैम्पून्स सीनियर ट्रिप में एक छात्र के रूप में की थी। लेकिन उनको दर्शकों का प्यार नहीं मिल पाया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वृक्षारोपण कर 'मिशन थ्री मिलियन ट्रीज' अभियान का शुभारंभ कराया

गांधीनगर 05 जून मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में अहमदाबाद के महानगर पालिका की विभिन्न पर्यावरणोन्मुखी परियोजनाओं का शुभारंभ कराया। उन्होंने अहमदाबाद में सोला स्थित उमिया कैम्पस में वृक्षारोपण कर 'मिशन थ्री मिलियन ट्रीज' अभियान का शुभारंभ कराया। उन्होंने मिशन के प्रतीक चिह्न (लोगो) तथा पोस्टर का भी अनावरण किया। इस अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा तथा महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन भी उपस्थित रहे।

अहमदाबाद मनपा (एएमसी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्री भूपेंद्रपटेलने अहमदाबाद मनपा परिवहन सेवा (एएमटीएस) द्वारा शुरू किएजाने वाले मेट्रो कनेक्टिविटी फीडररूट तथा रिवरफ्रंट के नए रूटकी ई-बसों और मनपा की आरआरआर(रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) वैन को हरी झंडी दिखा कर फ्लैग ऑफ कराया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि शहर का ग्रीन कवर बढ़ाने के उम्दा उद्देश्य के साथ 'मिशन थ्री मिलियन ट्रीज' अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग 30 लाख पेड़ लगाए जाएंगे। यह पहल आने वाले समय में शहर के तापमान तथा प्रदूषण को कम करने में सहायक बनेगी। अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा बनाए गए विभिन्न ऑक्सीजन पार्क भी इसी दिशा में कार्य करते हुए शहर का ग्रीन कवर बढ़ा रहे हैं तथा नागरिकों की सुख-सुविधा में वृद्धि कर रहे हैं।

अहमदाबाद मनपा की आरआरआर वैन पर नगर जन अपने अतिरिक्त पुराने कपड़े, जूते-चप्पलें, घरेलू वस्तुएँ, खिलौने, पुस्तकें, छोटे फर्नीचर जैसी वस्तुएँ दे सकेंगे। नगर जनों द्वारा दी जाने वाली इन वस्तुओं को उचित व्यवस्थापन द्वारा रियूज या रिसाइकिल किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य वेस्ट रिड्यूस कर शहर को स्वच्छ व सुगठित बनाना और सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट को प्रोत्साहन देना है।

इस अवसर पर फ्लैग ऑफ किए गए मेट्रो कनेक्टिविटी फीडर रूट तथा रिवरफ्रंट के नए रूट की ई-बसें ईको-फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देंगे। इसके कारण शहर के कार्बन उत्सर्जन तथा वायु प्रदूषण में कमी भी होगी और नागरिकों को रिवरफ्रंट व मेट्रो स्टेशन के लिए एक सरल व सुविधायुक्त सार्वजनिक परिवहन सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने एएमटीएसद्वारा नए शुरू किए जाने वाले मेट्रो कनेक्टिविटी फीडर रूट तथा रिवरफ्रंट के नए रूट की ई-बसों को फ्लैग ऑफ कराया मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद मनपा की आरआरआर (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) वैन को दिखाई हरी झंडी सहकारिता राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा व महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन की विशेष उपस्थिति मेट्रो कनेक्टिविटी फीडर रूट द्वारा नगर जनों को मेट्रो स्टेशन तक पहुँचाने के लिए निजी वाहनों के उपयोग की जरूरत नहीं रहेगी, जो परोक्ष रूप से पर्यावरण के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

इस समारोह में अहमदाबाद मनपा आयुक्त श्री एम. थेन्नारसन, उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, विधायक श्री अमितभाई शाह व श्री अमितभाई ठाकर, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, मनपा के पार्षदगण, अहमदाबाद महानगरपालिका व एएमटीएसके पदाधिकारी और कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

रूपाला की जीत पर बोली पद्मिनीबा- कहा आंतरिक राजनीति के कारण क्षत्रिय आंदोलन रहा बेअसर

राजकोट (ईएमएस) राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला की 4 लाख से भी अधिक वोटों की बंपर जीत के बाद क्षत्रिय समाज की महिला नेता पद्मिबा जाडेजा का बयान सामने आया हैं पद्मिनीबा ने कहा कि संकलन समिति की आंतरिक राजनीति कारण क्षत्रिय आंदोलन बेअसर साबित हुआ बता दें कि पुरुषोत्तम रूपाला की विवादित टिप्पणी को लेकर क्षत्रिय समाज में आक्रोश भड़क उठा थाँ क्षत्रिय समाज ने राजकोट सीट से उम्मीदवार बदलने की मांग की थी हांलाकि पुरुषोत्तम रूपाला को नहीं बदलने पर क्षत्रिय समाज ने गुजरात के सभी संसदीय क्षेत्र में आंदोलन शुरू कर दियाँ आंदोलन के चलते गुजरात के 5-6 सीटों पर भाजपा की जीत मुश्किल लग रही थीँ खासकर राजकोट सीट हारने का भाजपा को डर सता रहा थाँ हांलाकि क्षत्रिय आंदोलन का गुजरात में कोई खास असर नहीं दिखा और भाजपा ने राज्य की 26 में से 25 सीटों पर शानदार जीत दर्ज कीँ राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला ने 4 लाख से भी अधिक वोटों के मार्जिन से बंपर जीत हासिल कीँ पुरुषोत्तम रूपाला की जीत के बाद पद्मिनीबा का बयान सामने आया है और उन्होंने कहा कि संकलन समिति के आंतरिक राजनीति के कारण क्षत्रिय आंदोलन की हार हुई हैं हम जिस रास्ते पर चले थे उसी रास्ते पर चले होते तो हमारी जीत तय थीँ पद्मिनीबा ने कहा कि समाज के आंदोलन के लिए भाजपा छोड़कर आए क्षत्रिय युवा भाजपा के साथ फिर आगे बढ़ें और उनके राजनीतिक कैरियर पर चर्चा की जाएगीँ राजकोट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला को 857984 और कांग्रेस प्रत्याशी परेश धानाणी को 373724 वोट मिले थेँ भाजपा के पुरुषोत्तम रूपाला ने 484260 वोटों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की हैं

पालनपुर में तेज रफ्तार कार ने दो मासूम को कुचला, फैक्ट्री के यार्ड में खेल रहे थे बच्चे

पालनपुर। गुजरात के पालनपुर में बुधवार को एक फैक्ट्री परिसर में एक लापरवाही से चलाई जा रही कार ने दो मासूम बच्चों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। दरअसल, घटना के समय बच्चे मैदान में खेल रहे थे। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना पालनपुर के खोडला में फैक्ट्री के यार्ड में हुई।

घटना के समय बच्चे मैदान में खेल रहे थे। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।घटना पालनपुर के खोडला स्थित फैक्ट्री के यार्ड में घटी। दो बच्चे खेल रहे थे तभी कार चालक ने उन्हें कुचल दिया। 6 वर्षीय सुरेश और 6 वर्षीय चिराग फैक्ट्री के यार्ड में खेल रहे थे, तभी कार चालक ने उन्हें कुचल दिया। एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि घटना में गंभीर रूप से घायल एक लड़की को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

एटीएम तोड़कर चोरी का निष्फल प्रयास, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर की उधना पुलिस ने बैंक का एटीएम तोड़कर रुपए चोरी का निष्फल प्रयास करने वाले दो आरोपियों को चंद घंटों को गिरफ्तार कर लियाँ साथ ही एटीएम तोड़ने में उपयोग की गई लोहे की छेनी, स्क्रू ड्राइवर और एक मोटर साइकिल भी जब्त कर लीँ जानकारी के मुताबिक सूरत के उधना पुलिस थानान्तर्गत क्षेत्र में एटीएम तोड़कर रुपये चुराने का निष्फल प्रयास किया गयाँ यह घटना उधना बस स्टेशन के निकट शोपिंग सेंटर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम सेंटर की हैं मोटर साइकिल पर आए दो शख्स एटीएम सेंटर में घुसते हैं और एटीएम में तोड़फोड़ करते हैं हांलाकि तोड़फोड़ के बाद भी एटीएम से रुपए नहीं निकलने पर दोनों शख्स मोटर साइकिल पर सवार होकर फरार हो जाते हैं घटना की शिकायत दर्ज होने पर हरकत में आई पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाईं और चंद घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लियाँ उधना पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर चोरी का प्रयास करनेवाले शोहेब उर्फ शोएब कादर शेख और हुसैन मोमिन को गिरफ्तार कर लियाँ साथ ही आरोपियों के पास से लोहे की छेनी, स्क्रू ड्राइवर और 40000 कीमत की मोटर साइकिल भी जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'नमो वड वन' का निरीक्षण दौरा किया

गांधीनगर 05 जून: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को गांधीनगर में 'नमो वड वन' का दौरा कर निरीक्षण एवं वृक्षारोपण किया।

उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गत वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर राज्य के 33 जिलों के 75 स्थानों पर 'नमो वड वन' के निर्माण का शुभारंभ किया था। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गुजरात की पथप्रदर्शक पहल है। उन्होंने 21 मार्च,2022 को गांधीनगर में बरगद का पौधा लगाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रिय बरगद के पेड़ों के 'नमो वड वन' की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री आज सुबह गांधीनगर के इस 'नमो वड वन' के दौरे पर पहुंचे और वहां लगाए गए फूलों और पौधों सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी हासिल की।

मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि, राज्य में 75 स्थलों पर 'नमो वड वन' तैयार करने के संकल्प के सापेक्ष अब तक 82 'नमो वड वन' तैयार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले वर्ष प्रत्येक 'नमो वड वन' में 75 बरगद के पौधे लगाने के बाद दूसरे वर्ष 100 और बरगद के पौधे लगाकर हम वनों के सघनीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अभी प्रत्येक 'नमो वड वन' में कुल 175 बरगद के पौधे लगाए गए हैं।

गांधीनगर में एक हेक्टेयर क्षेत्र में निर्मित 'नमो वड वन' में विभिन्न प्रजातियों के छोटे-बड़े पौधों और पुष्पीय पौधों सहित साढ़े छह हजार पौधों की देखभाल की जा रही है। 'नमो वड वन' में टपक सिंचाई और मटका पद्धति के जरिए पानी के सीमित इस्तेमाल के साथ पौधे उगाए जाते हैं।

इसके अलावा, 'नमो वड वन' को लोगों के लिए पर्यावरण अनुकूल पिकनिक स्पॉट और पर्यटन आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए यहां चिल्ड्रन प्ले एरिया, योग प्लेटफॉर्म और बैठने के लिए बेंच सहित अन्य सुविधाएं विकसित की गई हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस दौरे के दौरान सहकारिता राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख श्री यू.डी. सिंह, सामाजिक वनीकरण के प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री ए.पी. सिंह, विधायक श्रीमती रीटाबेन, महापौर श्री हितेशभाई मकवाणा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गुजरात में 4.59 लाख से अधिक वोटरों ने किया "नोटा" का उपयोग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की 25 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में कुल 2.88 करोड़ से अधिक वोटरों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और उसमें 4.59 लाख से अधिक मतदाताओं ने नन ऑफ द एबव (नोटा) का बटन दबाकर अपने क्षेत्र के सभी उम्मीदवारों को खारिज कर दियाँ नोटा का सबसे अधिक उपयोग दाहोद, छोटाउदेपुर, बारडोली जैसे आदिवासी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में किया गयाँ पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार नोटा के उपयोग में 10 प्रतिशत का इजाफा होने का ताजा नतीजों में सामने आया हैं नोटा के मामले में लोकसभा की दाहोद (सुरक्षित) सीट सबसे आगे रहीं वर्ष 2019 के चुनाव के दौरान दाहोद सीट पर 31936 नोटा को मिले, जबकि 2024 में यह बढ़कर 34935 हो गएँ दूसरे क्रम पर छोटाउदेपुर (सुरक्षित) सीट पर 29955 वोटरों ने नोटा का उपयोग कियाँ बारडोली सीट पर 25542, भरूच में 23283, बनासकांठा में 22160 वोट नोटा के पक्ष में पड़ें इसी प्रकार गांधीनगर में 22160, साबरकांठा में 21076, नवसारी में 20462, पंचमहल में 20103, खेड़ा में 18824, भावनगर में 18765, कच्छ (सुरक्षित) सीट पर 18604, वलसाड (सुरक्षित) में 18388, पाटन में 16722, आणंद में 15930, राजकोट में 15922, जूनागढ़ में 14013, अहमदाबाद पश्चिम (सुरक्षित) में 14007, पोरबंदर में 13004, सुरेन्द्रनगर में 12796, मेहसाणा में 11626, अमरेली में 11349, जामनगर में 11084 और अहमदाबाद पूर्व संसदीय क्षेत्र में 10503 वोटरों ने नोटा का उपयोग कियाँ इस प्रकार 2024 के लोकसभा चुनाव में गुजरात के 4.49 लाख वोटरों ने नोटा का बटन दबायाँ वर्ष 2019 के चुनाव में गुजरात में 400932 वोटरों ने नोटा का उपयोग किया थाँ

नतीजों के बाद गुजरात की राजनीति में हलचल तेज, पुरुषोत्तम रूपाला को दिल्ली से बुलावा

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद गुजरात की राजनीति में हलचल तेज हो गई हैं चर्चा है कि गुजरात के मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता हैं इस चर्चा के बीच राजकोट लोकसभा सीट से निर्वाचित उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला को भाजपा हाईकमान का बुलावा आया हैं पुरुषोत्तम रूपाला को तुरंत दिल्ली पहुंचने का आदेश मिला होने की खबर हैं

गुजरात से निर्वाचित सभी 25 सांसद दिल्ली जाएंगे, लेकिन उससे पहले पुरुषोत्तम रूपाला को दिल्ली बुलाया गया हैं

दिल्ली में होनेवाली बैठक में अन्य सांसदों के साथ पुरुषोत्तम रूपाला भी शामिल होंगें बता दें कि क्षत्रिय समाज को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के बाद पुरुषोत्तम रूपाला को काफी विरोध का सामना करना पड़ा थाँ भाजपा ने चुनाव से पहले क्षत्रिय समाज को समझाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थीँ भाजपा ने क्षत्रिय समाज से पुरुषोत्तम रूपाला को माफ करने की गुजारिश भी की थीँ लेकिन क्षत्रिय समाज ने पुरुषोत्तम रूपाला की खिलाफत करने पर अड़ा रहाँ हांलाकि क्षत्रिय समाज के भारी विरोध के बावजूद पुरुषोत्तम रूपाला राजकोट लोकसभा सीट से साढ़े चार लाख से भी अधिक वोटों के अंतर चुनाव जीत गएँ

गेमिंग जोन अग्निकांड : बगैर सत्यापन दिया गया था लाइसंस, एसआईटी जांच में बड़ा खुलासा

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट अग्निकांड मामले में एसआईटी की अंतरिम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ हैं एसआईटी ने 10 मुद्दों पर आधारित प्रारंभिक रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपीं पुलिस, राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (आरएमसी), सड़क एवं भवन विभाग की उपेक्षा की जा रही हैं एसआईटी रिपोर्ट में तालुका पुलिस की लाइसेंसिंग और लापरवाही का जिक्र हैं लाइसेंसिंग विभाग ने बिना सत्यापन के परफॉर्मेंस लाइसेंस जारी कर दिया। एसआईटी की जांच में नगर नियोजन विभाग और अग्निशमन विभाग की घोर लापरवाही उजागर हुईं बताया गया है कि गेम जोन तीन साल से चल रहा था और इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड की जांच कर रही एसआईटी ने पूर्ण रिपोर्ट सौंपने के लिए अतिरिक्त समय मांगा हैं 10 दिन के भीतर पूर्ण रिपोर्ट तैयार होने के कारण अतिरिक्त समय की मांग की गई हैं अब भी इस मामले में कई लोगों के बयान कलमबद्ध करने हैं, इस कारण रिपोर्ट अभी अधूरी हैं

मौसम विभाग की भविष्यवाणी, गुजरात में इस तारीख से हो सकती ह

गुजरात के कई इलाकों में कई दिनों से तापमान में गिरावट देखी जा रही है, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। इस बीच मौसम विभाग ने कुछ इलाकों में बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहेगाँ 7 जून तक सौराष्ट्र-कच्छ और दीव, दमन, दादरा नगर हवेली समेत गुजरात के सभी जिलों में मौसम शुष्क रहेगाँ इसके बाद 8 जून को दाहोद, छोटा उदेपुर, नर्मदा, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड और दमन, दादरा नगर हवेली समेत कुछ जिलों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान हैं जबकि अन्य जिलों और दीव में मौसम शुष्क रहेगा।

9 जून को अवाली, दाहोद, महिसागर, छोटा उदेपुर, नर्मदा, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड और दमन, दादरा नगर हवेली और गिर सोमनाथ और दीव में छिटपुट बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 10 जून को गुजरात के अरवल्ली, दाहोद, महिसागर, वडोदरा, छोटा उदेपुर, नर्मदा, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड और सौराष्ट्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है।

इसके अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 11 जून को दक्षिण गुजरात, उत्तरी गुजरात के अरवल्ली के साथ ही सौराष्ट्र के जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ सहित पंचमहल, दाहोद और महिसागर में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अनुमान हैं जबकि अन्य जिलों और दीव में मौसम शुष्क रहेगा।

बीवी की क्रूर हत्या कर पति ने किया सुसाइड

सूरत (ईएमएस)ल्व मैरिज का ऐसा खौफनाक अंत हुआ जिसे सुन हर कोई हैरान है। पति ने पहले पत्नी को मार डाला। फिर खुद भी अपने हाथ की नस काटकर मौत को गले लगा लिया। ७ साल के मासूम ने मम्मी-पापा की लाश देखी तो उसकी चीख निकल गई। वह दादी के पास दौड़कर पहुंचा। उन्हें पूरी बात बताई। दादी ऊपर पहुंची तो देखा कि कमरे में उनकी बहू बेड पर मृत पड़ी है। बाथरूम में उनका बेटा खून से लथपथ हालत में पड़ा है। उसकी भी जान जा चुकी थी।

तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। मौका-ए-वारदात से एक सुसाइड नोट भी मिला। इसमें मरने वाले युवक ने लिखा था कि मेरी पत्नी ने मेरा जीना हराम कर दिया है। मैं उससे परेशान हो गया हूं। इसलिए यह कदम उठाने जा रहा हूं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना बड़नगर के नवापुर की है। यहां रहने वाले ३० वर्षीय अमित आचार्य ने सोमवार को पहले अपनी पत्नी शिखा का गला घोंटकर उसे मार डाला। फिर बाथरूम जाकर अपने हाथ की नस काट ली। इससे उसकी भी मौत हो गई। मृतक की मां ने बताया कि उनके बेटे ने ८ साल पहले शिखा से लव मैरिज की थी। पहले साल तक तो सब कुछ सही चलता रहा। लेकिन बाद में दोनों के बीच लड़ाई झगड़े होने लगे। इस दौरान दोनों के दो बच्चे भी हुए। ७ साल का लक्षित और दो साल की मैत्री फिर भी दोनों के झगड़े खत्म नहीं हुए। अमित की मां मंजू देवी का आरोप है कि अमित को शिखा मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। यही कारण है कि अमित ज्यादातर झाबुआ में रहता था। झाबुआ में अमित का पुश्तैनी मकान है। यहां अमित के माता-पिता रहते हैं। शिखा से लड़कर अमित कुछ दिन पहले झाबुआ आ गया। मां ने समझाया तो वो उन्हें भी साथ लेकर नवापुर आ गया।

पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख पति ने किया एसिड अटैक

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर गुजरात कॉलेज क्षेत्र के मेट्रो स्टेशन के निकट महिला अपने प्रेमी के साथ सो रही थीँ उस वक्त महिला के पति ने उसके प्रेमी पर एसिड अटैक किया और वहां भागने लगाँ हांलाकि महिला ने अपने पति को देख लिया और तत्काल पुलिस को खबर दे दीँ एलिसब्रिज पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं

घटना 3 जून की है जब 45 वर्षीय रेखा डाभी अपने प्रेमी बलदेव ठाकोर के साथ अहमदाबाद के गुजरात कॉलेज क्षेत्र के मेट्रो स्टेशन के निकट बलदेव ठाकोर के घर उसके साथ सो रही थीँ उस वक्त रेखा डाभी का पति जीवण डाभी एसिड भरी बोतल लेकर पहुंच गया और बलदेव ठाकोर पर एसिड छिड़क वहां से भागने लगाँ एसिड अटैक में रेखा और बलदेव बुरी तरह झुलस गएँ

हांलाकि एसिड अटैक के बाद घटनास्थल से भाग रहे जीवन डाभी को उसकी पत्नी रेखा डाभी ने देख लिया और तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दे दीँ रेखा डाभी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जीवण डाभी को गिरफ्तार कर लियाँ पूछताछ में पता चला कि रेखा को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख उसने एसिड अटैक किया थाँ जांच में खुलासा हुआ कि रेखा और जीवण डाभी की 20 साल पहले सामाजिक रीति-रिवाज से शादी हुई थीँ

मेघाणीनगर में रहनेवाले जीवण डाभी और रेखा डाभी की दो संतानें भी हैं हांलाकि पति-पत्नी के बीच मतभेद होने की वजह से रेखा डाभी पिछले सात साल से अपने मायके में रहती थीँ इस दौरान गुजरात कॉलेज के निकट रहनेवाले बलदेव ठाकोर से दोस्ती हुई जो बाद प्रेम संबंधों में तब्दील हो गएँ जिसके बाद पति जीवण डाभी से डिवॉर्स लिए बगैर ही रेखा डाभी अपने प्रेमी बलदेव ठाकोर के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगीँ रेखा अपने प्रेमी बलदेव के साथ खुलेआम मोटर साइकिल पर घूमती और मौज-शौक करने लगीँ पत्नी की हरकत से जीवण डाभी परेशान हो गया था और उसने कई बार तलाक लेने की रेखा से बात की थीँ

लेकिन रेखा ना तलाक देने को तैयार थी और ना ही अपने प्रेमी बलदेव को छोड़ने के लिएँ इस कारण जीवण डाभी ने दोनों सबक सिखाने के लिए एसिड अटैक का प्लान बनाया और बोतल में एसिड भरकर बलदेव के घर पहुंच गयाँ जहां बलदेव और रेखा आपत्तिजनक स्थिति में सो रहे थेँ जिसे देख जीवण का खून खौल उठा उसने दोनों पर एसिड अटैक किया और वहां से भागने लगाँ हांलाकि रेखा ने जीवण को देख लिया और तुरंत पुलिस से शिकायत कर दीँ

वडोदरा मंडल पर विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

वडोदरा, 05

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन में पर्यावरण जागरूकता रैली, पर्यावरण रक्षा शपथ, वृक्षारोपण, चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पौधे वितरण व सेमिनार का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री भजन लाल मीना ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम "भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता" है इस पर एक समसामयिक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख वक्ताओं में मिशन लाइफ के श्री मनीष नाईक ने बांस और रेलवे विषय पर व्याख्यान दिया इन्हें इंडस्ट्रियल डिज़ाइन प्रोडक्ट्स में 35 वर्षों का गहन अनुभव है। सुश्री श्रेया दलवाड़ी जो की ग्रीन डबलपमेंट स्पेशलिस्ट व कंसलटेंट है। उन्होंने इको फ्रेंडली मड वाल (मिट्टी की दीवार) के विषय पर विस्तार से समझाया। पृथ्वी रक्षक फाउंडेशन के श्री सुरेन्द्र बी. (समीर भाई) ने वर्तमान परिपेक्ष में पृथ्वी के पर्यावरण को किस तरह सुरक्षित रखा जा सके विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में सभी अधिकारियों, रेलकर्मियों व भारत स्काउट व गाइड के सदस्यो ने प्रशासनिक मंडल कार्यालय प्रांगण में पर्यावरण शपथ ली एवं पर्यावरण जागरूकता रैली में भाग लिया। मंडल यांत्रिक इंजीनियर (रेंज) श्री निखिल गुप्ता के अनुसार पर्यावरण दिवस पर जागरूकता बढ़ाने के लिए बच्चों के लिए दो वर्गों में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 6 से 12 वर्ष व 13 से 18 वर्ष के वर्ग में कुल 37 बच्चो ने अपनी कला प्रदर्शन कि। डीआरएम श्री जीतेंद्र सिंह ने सभी विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए।

वडोदरा स्टेशन पर स्टेशन डायरेक्टर श्री के. जी. सोनी ने उपस्थित रेलकर्मियों व कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ व कुलियों को पर्यावरण शपथ दिलाई व वृक्षारोपण किया। इस दौरान पौधे भी वितरित किए गए। मंडल के अन्य स्टेशनों, संस्थानों, वर्कशॉप में भी इस दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गये। आने वाले मानसून सत्र के दौरान रेलवे भूमि पर बड़ी मात्रा में वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया गया ताकि धरती की ग्रीन कोरिडोर को बढ़ाया जा सके।

टाटा एआईजी का छात्र यात्रा बीमा: विदेश में अपने सपनों को सुरक्षित रखें

मुंबई, भारत, - 05 जून भारत के अग्रणी बीमा प्रदाताओं में से एक, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, स्टूडेंट गार्ड - ओवरसीज ट्रैवल इंश्योरेंस प्रदान करता है जो विशेष रूप से विदेश में अध्ययन करने जा रहे छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह व्यापक योजना छात्रों को चिंता मुक्त होकर अपनी शैक्षिक यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, यह जानते हुए कि वे निम्नलिखित किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति से आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं:

• दुर्घटना या बीमारी का चिकित्सा व्यय • आकस्मिक मृत्यु या विकलांगता • आपातकालीन चिकित्सा निकासी • अवशेषों की स्वदेश वापसी • पासपोर्ट खो जाना • देरी / सामान की हानि (सामान्य वाहक) • यात्रा में देरी अप्रत्याशित चिकित्सा व्ययः चिकित्सा आपात स्थिति किसी भी समय आ सकती है और किसी नए देश में स्वास्थ्य देखभाल की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। एक छात्र गार्ड यात्रा बीमा योजना चोट/बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने की अक्सर महत्वपूर्ण लागतों को कवर करने में मदद कर सकती है। यात्रा में व्यवधान और दुर्घटनाएँ: यात्रा में देरी, सामान में देरी/कनेक्शन छूटना/प्रस्थान सबसे सावधानी से नियोजित यात्रा को भी बाधित कर सकता है। पासपोर्ट खोना: एक खोया हुआ पासपोर्ट एक छात्र की यात्रा योजनाओं पर बड़ा असर डाल सकता है। स्टूडेंट गार्ड यात्रा बीमा डुप्लिकेट या नया पासपोर्ट प्राप्त करने से जुड़ी उचित लागत को कवर करने में मदद कर सकता है। जमानत बांड: किसी भी सरकार या विदेशी शक्ति द्वारा गलत हिरासत या गलत गिरफ्तारी के मामले में, हम चयनित योजना के अनुसार बीमित राशि तक जमानत बांड राशि का भुगतान करेंगे। पढ़ाई में रुकावट: यदि बीमाधारक कवर की गई चोट या बीमारी या घातक बीमारी की स्थिति में लगातार एक महीने से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के कारण स्कूल सेमेस्टर के शेष भाग के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ है, जिसके लिए ट्यूशन शुल्क का भुगतान किया गया है। चिकित्सा प्रत्यावर्तन या परिवार के किसी तत्काल सदस्य की मृत्यु पर हम उस बीमाधारक की ट्यूशन फीस का भुगतान करेंगे जो पहले से ही किसी शैक्षणिक संस्थान में आगे की पढ़ाई कर रहा है। अन्य सहायता सेवाएँ: स्टूडेंट गार्ड ट्रैवल इंश्योरेंस योजना चिकित्सा सहायता, चिकित्सा निकासी और प्रत्यावर्तन सहित अन्य सहायता सेवाओं तक पहुँच प्रदान करती है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के ट्रैवल इंश्योरेंस के उपाध्यक्ष, श्री अमरीश दुबे ने कहा, "टाटा एआईजी में हम अपनी अंतराष्ट्रीय शिक्षा यात्रा शुरू करने वाले छात्रों के जोखिम को कम करने के महत्व को समझते हैं। हमारी छात्र यात्रा बीमा योजना विभिन्न चिकित्सा और यात्रा मुद्दों के खिलाफ व्यापक कवरेज प्रदान करती है, जिससे हम छात्र यात्रा बीमा के लिए अग्रणी विकल्प बन जाते हैं।"

सुमुल डेयरी द्वारा पशुपालकों से खरीदे जानेवाले दूध की कीमत में बढ़ोत्तरी की घोषणा

सूरत (ईएमएस) सूरत मिल्क यूनियन लिमिटेड (सुमुल) डेयरी ने पशुपालकों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमत में बढ़ोत्तरी की घोषणा की हैं भैंस के दूध में 20 रुपये प्रति किलो फैट की बढ़ोतरी की गई है। जबकि गाय के दूध में 15 रुपये प्रति किलोफैट की बढ़ोतरी की गई हैं भैंस के दूध की कीमत 830 रुपये प्रति किलो थी जिसे बढ़ाकर 850 रुपये कर दिया गया हैं गाय के एक किलो फैट दूध की कीमत 795 रुपये थी जिसे बढ़ाकर 810 रुपये कर दिया गया हैं सुमुल डेयरी के इस फैसले के बाद सूरत और तापी जिले के ढाई लाख पशुपालकों को फायदा होगाँ

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल
विद्युत लोको शेड वडोदरा
निविदा सूचना संख्या EL/TRS/BRC/2024-25/3 Dtd. 03/06/2024
निविदा संख्या: ELTRSBRC2425FE3
i) कार्य का नाम और स्थान: 3 वर्षों के लिए ईएलएस/बीआरसीवाई के विभिन्न क्षमता वाले CO2 प्रकार के अग्निशामक यंत्रों की सर्विसिंग, हाइड्रोलिक प्रेशर परीक्षण, रिफिलिंग परीक्षण, पेंटिंग, लेबलिंग और स्पेयर का प्रतिस्थापन (यदि आवश्यक हो)। (विद्युत लोको शेड, नवायार्ड, वडोदरा-390002)। ii) कार्य का अनुमानित खर्च: ₹ 6,68,441/- iii) बोली प्रतिभूति: ₹ 13,400/- iv) निविदा जमा करने का समय और निविदा खुलने की दिनांक: निविदा जमा करने की दिनांक और समय 28.06.2024, 15.00 बजे और निविदा खुलने का दिनांक और समय 28.06.2024, 15.30 बजे, इलेक्ट्रोनिकली के माध्यम से। v) वेब ऐड्रेस और नोटिस बोर्ड की जगह, कार्यालय का नाम जहां से निविदा प्रपत्रों को प्राप्त किया जा सकता है: www.ireps.gov.in, नोटिस बोर्ड की जगह विद्युत लोको शेड, पश्चिम रेलवे, नवायार्ड, वडोदरा - 390002, वरि. मंडल विद्युत अभियंता, विद्युत लोको शेड, पश्चिम रेलवे, नवायार्ड, वडोदरा - 390002 - गुजरात
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly 067

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशो ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96